जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, सोमवार 24 जून, 2024

E-BOOK* TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM OR VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI ARENA DEALERSHIP | FOR BULK ORDER : MAIL AT: BHARAT.MITTAL@MARUTI.CO.IN

MARUTI SUZUKI AUTHORIZED DEALERS: DUDI AUTOMOBILES: BIKANER: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. **PADAMPUR:** 7412075151. **AURIC MOTORS: BIKANER:** 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **NOKHA:** 01531-222224, 8875010555. **HANUMANGARH:** 01552-223485, 9636045222. **SANGARIA:** 8003098518. **RAWATSAR:** 8875911529. **SURATGARH:** 01509-224228, 9636045444. **NOHAR:** 01555-220485, 8094003519. **SRI GANGA NAGAR:** 0154-2466225, 9636045333. **VIJAINAGAR:** 8094003518. **SRI DUNGARGARH:** 8003098509. **RAISINGH NAGAR:** 8003098519. **ANOOPGARH:** 8094003505. **BHADRA:** 8003098515. **TRS: CHURU:** 8882899302.

*Terms and conditions apply. Creative Visualization. Black Glass on the vehicle is due to lighting effect. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Images used are for illustration purposes only. ^Not available in LXI, VXI MT.

विचार बिन्दु

जो मनुष्य क्रोधी पर क्रोध नहीं करता और क्षमा कर देता है। वह अपनी और क्रोध करने वाले की महासंकट से रक्षा करता है। –वेदव्यास

गर्मी हाय गर्मी उफ़ मर्ज़ बढ़ता गया ज्यों-ज्यों दवा की!

हमारे देखते-देखते कितना कुछ बदल गया है! एक ज़माना वह था जब किसी के घर में टेबल फ़ैन होना भी उसके अमीर होने का परिचायक होता था। मुहल्ले में किसी-किसी घर में ही पंखा होता था। फिर वह समय आया जब अमीरों के यहां खस की टट्टियां लगने लगीं। उनकी तो बात ही अलग थी। हरेक की पहुंच में यह विलासिता थी ही नहीं। फिर दौर आया कूलर का। घर के बाहर किसी की खिड़की में कूलर नज़र आता तो देखने वालों की निगाह में गृह स्वामी का कद कुछ और बढ़ जाता। फिर आहिस्ता-आहिस्ता कूलर आम होने लगे और मुहल्ले के अमीर आदमी की पहचान इस बात से होने लगी कि उनके घर की खिड़की में एसी लगा हुआ है। बहुत लोग तो अपने घर की लोकेशन ही यह कहते हुए समझाते कि जिस घर की खिड़की में आपको एसी लगा नज़र आए, वही अपना घर है। वैसे भी वह जीपीएस और गूगल के पदार्पण से पहले का समय था। अब तो किसी को पता बताने की ज़रूरत ही नहीं रह गई है, और इस वजह से भी घर पर एसी लगा होने की ठसक कम हो गई है। असल में अब हालत यह है कि हर घर एसी वाला है।

वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक के ताज़ा सर्वे के अनुसार विगत तेरह बरसों में एसी की हवा खाने वाले भारतीय परिवारों की संख्या में तीन गुना वृद्धि हो गई है, और अब हर सौ में से चौबीस, अर्थात लगभग एक चौथाई परिवारों के पास एसी है। बताया जा रहा है कि भारतीय बाज़ार एसी का दुनिया में सबसे ज़्यादा तेज़ी से बढ़ता बाज़ार है, और यह अनुमान लगाया जा रहा है कि सन् 2045 से 2050 तक आते-आते भारतीय बाज़ार उस चीन को पीछे छोड़ चुकेगा जिसे आज उसके नौ करोड़ एसी के कारण दुनिया का सबसे बड़ा एसी बाज़ार माना जाता है। वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक ने बताया है कि अभी भारत में जो एसी बेचे जा रहे हैं उनमें से नब्बे प्रतिशत से ज़्यादा के ग्राहक वे हैं जो अपने जीवन का पहला एसी ख़रीद रहे हैं। यही नहीं, एसी की पहुंच अब महानगरों की सीमाओं को लांघ कर छोटे शहरों तक जा पहुंची है। देश की कुल एसी बिक्री का करीब पैंसठ प्रतिशत टियर 3, 4 व 5 के शहरों में हो रहा है।

एसी को लेकर भारतीयों की मानसिकता में भी बहुत बड़ा बदलाव आया है। शुरू-शुरू में लोग कहते थे कि हमें तो एसी सूट नहीं करता है। उनका तर्क यह होता था कि एसी की शीतलता से तेज़ गर्म माहौल में निकलने से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है। एसी से गुरेज़ का एक बड़ा कारण, भले ही उसे कहा नहीं जाता था, उस पर होने वाले बिजली के भारी खर्च का आतंक भी था। सारी कारें भी कहां एसी युक्त होती थीं? सिनेमा घरों तक में कूलर का होना भी बड़ी बात थी। सिनेमा घरों के विज्ञापनों में सगर्व 'एयर कूल्ड' लिखा जाता था। यह कितना मज़ेदार था कि पर्दे पर बोले जा रहे संवादों और कूलर की घड़-घड़ आवाज़ के बीच सतत प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी और इसके बावज़ूद हम कूलर की ठण्डी हवा का आनंद लेते थे। लेकिन अब सब कुछ बदल गया है। अब एसी का होना भी दिखावे और गर्व का विषय नहीं रह गया है। गर्मियों में तो हालत यह होने लगी है कि दुकानदार आपको एसी बेच कर आप पर उपकार करते हैं। अब गरज दुकानदार को नहीं खरीददार को है। चालीस-पचास हज़ार के इस उपकरण के लिए भी कई बार आपको प्रतीक्षा करनी पड़ती है। यह है एसी की डिमाण्ड का ताज़ा हाल। आम जन अक्सर कहते हैं कि इस साल जैसी गर्मी पहले कभी नहीं पड़ी। और यह बात तथ्यात्मक रूप से भी सही है। तापमान हर बरस थोड़ा-थोड़ा बढ़ता जा रहा है, और यह बात कहने की ज़रूरत नहीं है कि चालीस डिग्री सेल्सियस के बाद एक डिग्री तापमान का बढ़ना भी आपको बहुत अखरने लगता है। पता नहीं क्यों हम इस बात की अनदेखी करते हैं कि अपने लिए ठंडक का इंतज़ाम करके हम अपने चारों तरफ की गर्मी में वृद्धि करने का अपराध भी कर रहे हैं। अगर चाहें तोआप कुछ देर के लिए ही सही, एसी के कम्प्रेसर के पास खड़े रहकर मेरी बात की सत्यता का अनुभव कर सकते हैं। इस तरह एक भयंकर दुष्चक्र बनता जा रहा है।

> **आगरा शहर की एक पॉश कॉलोनी (दयाल बाग़) है, जहां संपन्न, शिक्षित और सम्भ्रांत लोग रहते हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि इस कॉलोनी के एक भी घर में एसी नहीं है। यह भी याद रखें कि आगरा अपने क्रूर तापमान के लिए भी कुख्यात है। फिर भी इस कॉलोनी के लोग, जो एसी को आसानी से अफोर्ड भी कर सकते हैं, केवल पंखों और कूलरों के सहारे आराम की ज़िंदगी जी रहे हैं? ऐसा कैसे मुमकिन है, इस सवाल का जवाब इस बात में छिपा है कि उन्होंने अपने चारों तरफ हरियाली की चादर तान रखी है, जिससे वातावरण नियंत्रण में रहता है।**

हमें गर्मी महसूस होती है इसलिए हम एसी लगाते हैं, एसी गर्मी बढ़ाता है, इसलिए हम और एसी लगाते हैं, वे और गर्मी बढ़ाते हैं, इसलिए हम और एसी लगाते हैं। और इसी दुश्चक्र की परिणति यह भी है कि एसी का बाज़ार ख़ूब फल-फूल रहा है। यह तो एक बात हुई। अब दूसरी बात की तरफ़ भी ध्यान दें। ठंडक देने वाले अन्य उपकरणों जैसे- पंखों, कूलरों आदि की तुलना में एसी अधिक बिजली खाते हैं। तो एसी के बढ़ने का सीधा असर हमारे विद्युत उपभोग पर पड़ रहा है। एक आकलन के अनुसार भारत में ठंडक देने वाले उपकरणों पर देश के कुल विद्युत उपभोग का दस प्रतिशत खर्च हो रहा है। ग़ौर तलब यह बात है कि यह हिस्सेदारी सन् 2019 की तुलना में इक्कीस प्रतिशत बढ़ी है। और कहना अनावश्यक है कि जैसे-जैसे हम ज़्यादा एसी का उपयोग करने लगेंगे उनके कारण हमारा विद्युत उपभोग भी उसी अनुपात में बढ़ेगा। भले ही स्टार रेटिंग की वजह से इन उपकरणों पर अब पहले की तुलना में कम विद्युत खर्च होने लगी है, इस बचत को एसी की ज़्यादा खपत निरर्थक किए दे रही है। दूसरी बात, जिस पर आम जन तो बहुत दूर की बात है जो जानकार और समझदार हैं, वे भी ध्यान नहीं देते हैं, यह है कि एसी में प्रयुक्त होने वाला हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफ़सी) ओज़ोन परत के लिए बहुत घातक है। भले ही भारत ने एचएफसी को क्रमशः कम करने के लिए मॉण्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर कर रखे हैं, बात औपचारिकता से बहुत आगे नहीं बढ़ी है और हम अनजाने में ही सही एसी का अंधाधुंध उपभोग कर ओज़ोन परत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ओज़ोन परत के विदीर्ण होने से क्या नुकसान होते हैं, यह अलग से और विस्तार से चर्चा का विषय है। यहां इतना ही कह देना पर्याप्त होगा कि यह क्षति प्राण घातक है। लेकिन हम इसके प्रति सजग नहीं हैं।

इन सारी बातों के बीच हमारे ही देश के एक शहर की एक कॉलोनी की ख़बर आई है। ताजमहल के लिए विख्यात आगरा शहर में एक कॉलोनी है दयाल बाग़। यह आगरा शहर की एक पॉश कॉलोनी है, जहां संपन्न, शिक्षित और सम्भ्रांत लोग रहते हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि इस कॉलोनी के एक भी घर में एसी नहीं है। जी हां। आपने सही पढ़ा कि एक भी घर में एसी नहीं है। यह भी याद रखें कि आगरा अपने क्रूर तापमान के लिए भी कुख्यात है। फिर भी इस कॉलोनी के लोग, जो एसी को आसानी से अफोर्ड भी कर सकते हैं, केवल पंखों और कूलरों के सहारे आराम की ज़िंदगी जी रहे हैं? ऐसा कैसे मुमकिन है, इस सवाल का जवाब इस बात में छिपा है कि उन्होंने अपने चारों तरफ हरियाली की चादर तान रखी है, जिससे वातावरण नियंत्रण में रहता है। तो, एक वे हैं जो पेड़-पौधों के सहारे बग़ैर एसी के बहुत आराम से जी रहे हैं और एक हम हैं जो पेड़ों को काट कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर रहे हैं और फिर तपन से निज़ात पाने के लिए एसी लगाते हैं और फिर उस एसी के कारण बढ़ी हुई गर्मी से राहत के लिए एक और एसी लगाते हैं!

इस हालत को देख वह पुरानी कहावत याद आए बग़ैर नहीं रहती है– मर्ज़ बढ़ता गया, ज्यों ज्यों दवा की।

हम ख़ुद अपनी मुसीबत बढ़ा रहे हैं!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

विज़िटिंग कार्ड को ''ना'' कहें

दशरथ कुमार सोलंकी

यह विचार अचानक ही आया था। ऑफिस में कोई बैंककर्मी मिलने आए थे। स्वभावतः आते ही उन्होंने अपना विज़िटिंग कार्ड मेरे सामने किया। उस दिन सुबह ही मैंने कागज पर चिंतन करते हुए कुछ लिखा था। पेड़ से बनता है कागज। अर्थात् किसी भी रूप में कागज प्रकृति के विनाश का ही एक परिणाम है। विज़िटिंग कार्ड भी तो अधिकतर कागज से बना होते हैं!

पेड़ कटते हैं, कई जगह प्रयुक्त भी होते हैं। प्रगति के पथ के लिए कई बार पेड़ों को काटना आवश्यक हो सकता है। पर यदि उपयोग की सीमा हो और इस विनाश के परिणामस्वरूप कुछ सृजित होता हो तो न्यूनतम सीमा तक पेड़ काटे जाने को उचित ठहराया जा सकता है। फर्नीचर, औद्योगिक उपयोग या कि कागज, इन सबके लिए वनस्पति प्रयुक्त होती है। सब आधुनिकता के उत्पाद, प्रगति के पैमाने...और उत्सर्ग पेड़ का!

पेड़ कटा, कागज बना। उस पर किसी कवि ने कोई कविता लिखी पेड़ पर, प्रेम पर, संवेदना पर, मानवता पर। उसे पढ़कर भले मानुसों ने कुछ पेड़ लगाए। कविता सार्थक हुई, पेड़ का बलिदान व्यर्थ न गया। नरेश सक्सेना जी ने अपनी कविता में लिखा था –

लिखता हूँ अंतिम इच्छाओं में
कि बिजली के दाहघर में हो मेरा अंतिम संस्कार
ताकि मेरे बाद
एक बेटे और एक बेटी के साथ
एक वृक्ष भी बचा रहे संसार में।

पर कविताओं में जो लिखा होता, वह घटता नहीं। पेड़ बचाने और पेड़ पनपाने के प्रयास यदि होते हैं तो वे रंग क्यों नहीं लाते? पचास के पास पारा क्यों पहुँचता? मौसम असंतुलित क्यों होते ? आपदाएँ इस तरह अचानक और भयानक रूप ले क्यों आतीं ? धरती हरी भरी और नभ निरभ्र क्यों नहीं ? पवन में कौनसा विष घुला है कि हर सांस में बीमारी काया में प्रवेश कर जाती? नदियाँ सूखी क्यों हैं या सैलाब की शक्ल क्यों ले रही? क्यों त्यागा उन्होंने कलकल गान, कूड़े कर्कट में फँसी है उनकी भी तो जान! तो बात इतनी सी है कि समस्याएँ हज़ार हैं, उनके समाधान का एक ही रास्ता, पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ। यह विचार अरसे से मन-मस्तिष्क में बह रहा था। मेरा ध्यान उन असंख्य विज़िटिंग कार्डों पर गया, जो लोगों ने मुझे दिए। मेरे किसी काम के नहीं थे वे। हाँ, कभी उन पर लिखे मोबाइल नंबर अवश्य काम आते, पर उसके लिए कार्ड को लेना देना कहाँ ज़रूरी है? नंबर मोबाइल में सहेजे जा सकते हैं। कार्ड की उपयोगिता इतनी भी नहीं। बस, स्टेटस सिम्बल की मानसिकता से बाहर आने की ज़रूरत है मात्र। तो इसी भाव प्रवाह में मैंने उन बैंककर्मी के नंबर नोट किए, उन्हें उनका विज़िटिंग कार्ड लौटा दिया। यह कहकर, कि यह कार्ड और कहीं काम आ जाएगा। यह भी, कि यदि संभव हो तो भविष्य में आप कार्ड मत छपवाना। कार्ड न छपवाकर आप पेड़ या उसकी एक डाली बचाएँगे। एक पेड़ बचेगा तो हमारी साँसें बचेंगी। गौरैया, गिलहरी बचेगी। छाँव बचेगी, ऋतुएँ बचेंगी, उनमें वसंत भी बचेगा। प्रेम और संवेदना बचेगी।

यद्यपि कुछ संस्थाओं और कंपनियों द्वारा रीसाइक्लिंग से विज़िटिंग कार्ड बनाये जाने को प्राथमिकता दी जाती हैं, इसलिए उस स्थिति में पर्यावरण को कोई नुक़सान नहीं पहुँचता। यह उचित भी है, परंतु सर्वाधिक उचित तो यह होगा कि हम विज़िटिंग कार्ड को प्रयुक्त ही न करें। रीसाइक्लिंग भी अंततः कोई मशीनी प्रक्रिया ही है। प्राचीन तिब्बती संस्कृति में ऐसी मान्यता थी कि यंत्रों के घर्र घर्र नाद से देवताओं को पीड़ा पहुँचती है। यह कोई आसमानी देवता नहीं, प्रकृति की उजास के झिलमिलाते देवता हैं ये, अनंत शांत निसर्ग से आशीष बन झरते देव हैं वे। हमारे प्राणों की हेतु प्रत्यक्ष प्रकृति, इसी में समाहित समस्त देवत्व। यंत्र मनुष्य की प्रगति और आधुनिकता के वाहक है, पर प्रकृति से सामंजस्य के साथ मशीन का अल्प व आवश्यक उपयोग ही मानवता को शांति और सुकून दे सकेगा। विज़िटिंग कार्ड एक शुरुआत भर है, अंततः मानवता को वहाँ पहुँचने का भाव धारण करना चाहिए जहां मनुष्य के किसी भी कार्य से परिवेश की असीम शांति भंग न हो। ऐसी ही चाह पर कविता बनी थी, उसका एक अंश इस तरह है –

आवाज़ से ख़लल पड़ता है
निसर्ग की शांति में
इसलिए मौन साधना चाहता हूँ मैं
जब से महसूस किया मैंने
मेरी उपस्थिति से अवरुद्ध होती हवा की गति
अपनी अनुपस्थिति की प्रार्थना करने लगा हूँ प्रभु से
एक परछाई जितनी लम्बी
धूप को भी रोका मैंने जब-तब
किरणों ने तो कोई शिकायत नहीं की
पर मेरी लज्जा घनीभूत न हो
इतना कृतघ्न कैसे हो सकता था ?
जहां खड़ा हुआ मैं, बैठा
कुछ माटी दबी होगी
रजकणों ने जतलाया फिर भी नहीं कोई अहसान
मेरी प्यास के हवाले कितना पानी हुआ होगा
जीवनभर
किसके हिस्से की नमी सोखी होगी मैंने
रुक्षताओं का भागी बना इस तरह
एक टुकड़ा आसमान
जब से मेरे हिस्से आया
अनंत शून्य के विखंडन का उत्तरदायी बना मैं
क्षति, जल, पावक, गगन, समीर
सबके अस्तित्व पर मेरी छाया रही है
मेरी काया के आकार से, भार से
दिया कम, अनंत गुना करता रहा हासिल
ओ पंचभूतो !
आज से चेतना के सारे अर्थ तुम्हारे हवाले
आत्मा के सारे अंश समर्पित तुम्हें
मन के प्रपंच जो हैं बहुतेरे, वो मेरे
पर उसके उजास के निहितार्थ तुम्हें सौंपता हूँ
काया किंचित उद्देश्यों के लिए बचाए रखता हूँ अभी
असीम अवदानों से उऋण हो जाऊं जब
आना तुम सब
देह की नश्वरता पर अपने हस्ताक्षर मांड जाना....
उस दिन के लिए
मैं लिखकर बचाना चाहता हूँ
अनंत के सामीप्य का मधुरकाव्य
ताकि विछोह का शोकगीत न बांचे कोई......

एक पेड़ लगाना हम सबका दायित्व है। एक पेड़ को प्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से बचाना इसी दायित्व का भाग है। हमें पता करना चाहिए, कैसे पेड़ बच सकते हैं। ऑफिस कागजरहित हो रहे, कविता सीधे ही स्क्रीन पर टाइप होकर सुरक्षित हो जाती। ठीक है कि कुछ नुकसान होंगे कंप्यूटर मोबाइल के, पर लाभ भी तो अनगिनत हैं। संख्यात्मक और बौद्धिक लाभ छोड़ भी दें तो मुझे इनका सबसे बड़ा लाभ यह दिखता है कि इन्होंने कागज पर हमारी निर्भरता कम की है। मैं पेड़ के प्रेम में हूँ, प्रकृति मेरे स्वभाव में समायी है, तो मेरा सारा गुणा-भाग या चिंतन पेड़ के परिप्रेक्ष्य में ही रहता। इसलिए पेड़ लगाने और पेड़ बचाने के हर विकल्प को अपनाने की ओर हमें अग्रसर होना ही पड़ेगा। विज़िटिंग कार्ड से मुक्ति पेड़ों को विनष्ट होने से बचाने का एक छोटा सा विकल्प है। वस्तुतः यह मानसिकता के रूपांतरण का ही एक प्रकल्प हो सकता है। यह एक प्रस्थान बिंदु की तरह है। मैंने उन बैंक वालों को समझाया, समझ गए वे। मैं हर उस आगंतुक को यह समझाता हूँ, जो विज़िटिंग कार्ड आगे करता है। वह समझ जाता है। एक संकल्प को उसकी दृष्टि में उतरते हुए देखता हूँ। संकल्प, कि वह अब नहीं छपवाएगा ऐसे कार्ड, जिससे प्रकृति की पुलक पर चोट पहुँचे। मोबाइल नंबर तो यूँ भी दिये जा सकते हैं। स्टेटस कार्ड से नहीं, व्यवहार और कर्म से निर्मित होगा, यह समझना मन में सुकून उत्पन्न करता है। एक पेड़ को बचाने के लिए आइए, विज़िटिंग कार्ड फ्री ऑफिस की कल्पना को अपने संकल्प से साकार करें। विज़िटिंग कार्ड को 'ना' कहें।

–दशरथ कुमार सोलंकी,
निदेशक वित्त
जोधपुर विकास प्राधिकरण,
जोधपुर

1980 से लेकर अभी तक क्रमोन्नत नहीं हुआ अड्डा गांव का प्राथमिक स्कूल

एक दशक से स्कूल को सीनियर सैकेंडरी स्तर तक क्रमोन्नत करने की मांग कर रहे हैं ग्रामीण

- करीब तीन हजार की आबादी वाले अड्डा गांव में केवल राजकीय प्राथमिक स्कूल होने से शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है
- पांचवी कक्षा के बाद गांव के बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए दो किलोमीटर दूर दूसरे गांव में जाना पड़ता है
- विशेषकर बालिकाएं पांचवी के बाद स्कूल नहीं होने से मजबूरी में अपनी पढाई बीच में ही छोड़ देती हैं

सूरौठ, (निसं)। तहसील के समीपवर्ती नहरा क्षेत्र के सबसे बड़े गांव अड्डा में स्थित राजकीय प्राथमिक स्कूल 44 साल बाद भी क्रमोन्नत नहीं हो पाया है। पिछले एक दशक से ग्रामीण लगातार स्कूल को सीनियर सैकेंडरी स्तर तक क्रमोन्नत करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार और प्रशासन के स्तर पर कोई सुनवाई नहीं हो पा रही है। करीब तीन हजार की आबादी वाले अड्डा गांव में केवल राजकीय प्राथमिक स्कूल होने से शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त हैं।

स्थानीय ग्रामीण साहब सिंह गुर्जर अड्डा, पूर्व सरपंच मानसिंह, उपसरपंच राजहंस पहलवान नरोत्तम तंवर ने बताया कि पांचवी कक्षा के बाद गांव के बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए 2 किलोमीटर दूर दूसरे गांव में जाना पड़ता है इससे छोटे बच्चों को परेशानी होती है। विशेषकर बालिकाएं पांचवीं के बाद स्कूल नहीं होने से मजबूरी में अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं एक तरफ तो सरकार बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कर दूसरी ओर मजबूरन पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव अड्डा में राज्य सरकार ने 1980 में राजकीय प्राथमिक स्कूल स्थापित किया था। जिसे अभी तक क्रमोन्नत नहीं किया गया है, जबकि इसके बाद खुले कई स्कूलों को काफी पहले ही क्रमोन्नत किया जा चुका है।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव की आबादी को देखते हुए अड्डा में राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल होना बहुत जरूरी है। गांव के राजकीय प्राथमिक स्कूल को क्रमोत्रत करने की ग्रामीण लंबे समय से मांग कर रहे हैं लेकिन अभी तक राज्य सरकार ने उनकी सुनवाई नहीं की है। इस दौरान ग्रामीण अतरूप सिंह, पूर्व सरपंच मानसिंह, पूर्व सरपंच कल्याण सिंह, दाताराम, शिवदयाल सैन, किरोड़ी सैन, भगवान सिंह पटेल, कन्हैया पटेल, राधे गोठिया, समय सिंह, रत्ती, खैमीसिंह, महाराज सिंह आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल को क्रमोत्रत करने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम, स्थानीय विधायक बहदुर सिंह कोली से राजकीय प्राथमिक विद्यालय अड्डा को सीनियर सैकंडरी स्कूल में क्रमोन्नत करने की गुहार लगाते हुए ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए सात दिवस में विद्यालय को क्रमोन्नत करने की मांग की है।

पानी की किल्लत से परेशान महिलाओं ने मटकियां फोड़ प्रदर्शन किया

- आवासीय कॉलोनी की महिलाओं ने मौके पर पहुंचे अधिकारियों के समक्ष अपनी पीड़ा बयां की
- मौके पर पहुंची जलदाय विभाग की कनिष्ठ अभियंता ने महिलाओं को समस्या के समाधान का आश्वासन दिया

मालपुरा के अजमेर रोड पर पानी की किल्लत से परेशान महिलाओं ने जाम लगाया।

मालपुरा, (निसं) नगरपालिका शहरी क्षेत्र के अजमेर रोड आवासीय कॉलोनी में पानी की किल्लत से परेशान महिलाओं ने विभाग की लापरवाही को लेकर रविवार को मालपुरा-अजमेर सड़क मार्ग पर सीआईडी ऑफिस के सामने कंटीली झाड़ियां लगाकर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। आवासीय कॉलोनी की महिलाओं ने बीच सड़क पर मटकियां फोड़ प्रदर्शन करते हुये मौके पर पहुंचे अधिकारियों के समक्ष अपनी पीड़ा बयां की। महिलाओं ने बताया कि पालिका शहरी क्षेत्र में लाखों रूपये की लागत से आवासीय मकान बनाकर विभाग के नियमानुसार नल कनेक्शन लेकर समय पर बिल का भुगतान करने के बावजूद भी भीषण गर्मी मे पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। महिलाओं ने बताया कि दूर-दराज से पानी लाकर अथवा मुंह मांगे दामों में पानी के टैंकर डलवाकर रोजमर्रा के कार्य करने पर विवश होना पड़ रहा है। यहां तक कि कई आवासीय कॉलोनियों में तो विभाग द्वारा लाईनें तो डाली गई लेकिन उनमें सुचारू पेयजल आपूर्ति की व्यवस्थाएं नहीं की गई। लम्बे समय से पानी की समस्या को लेकर जलदाय विभाग के अधिकारियों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अवगत करवाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका है। महिलाओं ने बताया कि पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिये उन्हें भटकना पड़ रहा है। शहरी क्षेत्र में नौ करोड़ रूपयों की लागत से नवीन टंकियों का निर्माण व पेयजल की नई लाईनें डालने के बावजूद आवासीय कॉलोनियों में सुचारू पेयजल आपूर्ति नहीं होना कई तरह के सवालों को जन्म दे रहा है। करोड़ों रूपये खर्च होने व शहर में 6 टंकियां बनने के बावजूद पेयजल समस्या का समाधान नहीं होना किसी बड़े आश्चर्य से कम नहीं है। वहीं मुख्य सड़क पर जाम लगने से सड़क के दोनों और वाहनों की लम्बी कतारें लग गई। पुलिस अधिकारियों की समझाईश पर भी महिलाओं ने जाम नहीं हटाया।

मौके पर पहुंची जलदाय विभाग की कनिष्ठ अभियंता हंसा चौधरी ने मौके पर मौजूद महिलाओं की समस्या को गंभीरता से सुनते हुये जल्द कॉलोनी मे सुचारू पेयजल आपूर्ति शुरू करवाने तथा दोषी कार्मिको के विरूद्ध कार्यवाही के आश्वासन के बाद महिलाओं ने जाम हटाया।

राशिफल

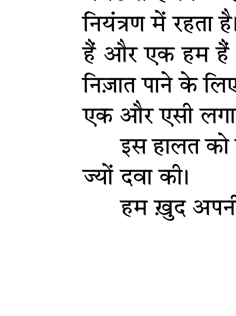

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 24 जून, 2024

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2081, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र दिन 3:54 तक, ऐन्द्रयन योग दिन 11:15 तक, वणिज करण दिन 2:15 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 3:54 से सूर्योदय तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:21 तक, शुभ 9:03 से 10:46 तक, चर 2:11 से 3:54 तक, लाभ-अमृत 3:54 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:20

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

तुला
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन
आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 | वर्षः 16 | संख्याः 57 | प्रभात | चूरू, सोमवार 24 जून, 2024 | पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

क्वाकह बहुत ही आकर्षक मार्सूपियल जीव हैं, जो अपने नवजात शिशु को कुछ माह अपने पेट पर बनी थैली में रखते हैं। दक्षिण पश्चिम ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले ये जीव किसी के भी चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं। इन्हें ''हैपिएस्ट एनिमल ऑन अर्थ'' कहते हैं क्योंकि, इनका चेहरा सदा मुस्कुराता हुआ लगता है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में पर्थ के तट से कुछ दूर रॉटनैस्ट आईलैंड एक पर्यटन स्थल है और वर्तमान में क्वाकह का प्रमुख आवास है। यहां इनकी आबादी लगभग दस हजार है। डच उपनिवेशवादी सबसे पहले 11 वीं सदी में यहां आए थे, उन्हें क्वाकह चूहे जैसे लगे तो उन्होंने द्वीप का नाम ''रॉटनैस्ट'' रख दिया। जिसका डच भाषा में अर्थ है ''रैट'स् नैस्ट''। वैंडरबिल्ट युनिवर्सिटी की वैज्ञानिक लरीसा डि सैन्टिस ने कहा कि, क्वाकह की तरफ पर्यटक आकर्षित होते हैं और पास जाने की कोशिश करते हैं लेकिन वो एक बात नहीं जानते कि, क्वाकह लोगों को काट लेने के लिए विख्यात हैं।'' कभी वैस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में अच्छी खासी तादाद में मिलने वाले क्वाकह अब कुछ ही द्वीपों पर और दक्षिण पश्चिम के घने जंगल के कुछ क्षेत्रों में ही सिमट कर रह गए हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि, प्राकृतिक आवास में इनकी आबादी मात्र 15,000 रह गई है जिससे यह प्रजाति वल्नरेबल (खतरे के करीब पहुंच चुके) वर्ग में आ गई है। ऑस्ट्रेलिया मेनलैंड में आपको क्वाकह कम दिखेंगे। पर हालिया वर्षों में सघन वन क्षेत्रों में भी क्वाकह मिलने लगे हैं, क्योंकि, वहां भोजन प्रचुरता से मिल जाता है। लरीसा कहती हैं कि, हमेशा से ऐसा नहीं था, 1920 और 1930 के दशक में मेनलैंड पर काफी तादाद में क्वाकह रहते थे। असल में यूरोपियन्स और उनके साथ आई प्रजातियों ने उन्हें द्वीपों की ओर धकेला है। ऑस्ट्रेलिया में जब यूरोपियन्स आए तो वे अपने साथ लोमड़ी, बकरी और खरगोश लाए। इन बाहरी प्रजातियों ने यहां की उन प्रजातियों को बाहर कर दिया जो कमज़ोर थीं। आज क्वाकह द्वीपों पर फलफूल रहे हैं, क्योंकि वहां लोमडियां नहीं जा सकतीं। हालांकि, वहां जहरीले सांप, ऑस्प्री पक्षी आदि का खतरा है। तथापि, मेनलैंड में रहने वाले क्वाकह को जंगल की आग, सूखे और शहरीकरण का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रेस मार्क्स पाने वाले छात्रों की दोबारा हुई नीट परीक्षा

1563 छात्रों के लिए दोबारा एग्ज़ाम कंडक्ट किया गया था लेकिन 50 प्रतिशत परीक्षार्थी परीक्षा देने ही नहीं पहुँचे

नई दिल्ली, 23 जून। नैशनल टैस्टिंग एजेंसी (एन.टी.ए.) ने रविवार को चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के छह केंद्रों पर 1,563 उम्मीदवारों के लिए नीट-यूजी परीक्षा को दोबारा कंडक्ट किया। एन.टी.ए. के मुताबिक, 1,563 अभ्यर्थियों में से 813 ही परीक्षा देने आए, जबकि 750 छात्रों ने यह परीक्षा छोड़ दी। 750 छात्र दोबारा परीक्षा देने ही नहीं पहुँचे। उल्लेखनीय है कि ग्रेस मार्क पाने वालों के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद फिर से परीक्षा कराई गई।

छत्तीसगढ़ में यह परीक्षा दो केंद्रों पर आयोजित होनी थी, जिसमें 602 अभ्यर्थी पुनः परीक्षा के लिए पात्र थे, जिसमें आज 291 अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे। वहीं हरियाणा में 494 उम्मीदवारों के लिए दो परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्था की गई थी। इनमें से 287 छात्र परीक्षा में शामिल हुए। मेघालय में 464 पात्र अभ्यर्थियों में से 234 ने आज परीक्षा दी। वहीं गुजरात में एक अभ्यर्थी के लिए पुनः परीक्षा आयोजित की गई।

उल्लेखनीय है कि, सी.बी.आई. ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की लिखित शिकायत के आधार पर नीट/यूजी में कथित अनियमितताओं के मामले में आपराधिक मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यहां यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि गत पांच मई को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट (यूजी) 2024 परीक्षा के दौरान कुछ राज्यों में कुछ अलग-अलग घटनाएं हुईं।

- **गौरतलब है कि, सी.बी.आई. ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की लिखित शिकायत के आधार पर नीट/यूजी में कथित अनियमितताओं के मामले में आपराधिक मामला दर्ज किया है। इस मामले में बिहार और देश के अन्य राज्यों में पेपर लीक के आरोपियों की धरपकड़ की जा रही है।**
- **रविवार को मीडिया में यह भी खबर आई कि, नैशनल टैस्ट एजेंसी (एन.टी.ए.) के सभी पोटर्ल्स हैक कर लिये गये हैं एक भी पोर्टल काम नहीं काम रहा। हालांकि, बाद में एन.टी.ए. के अधिकारियों ने इस खबर को अफवाह करार दिया है।**

यह परीक्षा 571 शहरों में 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिसमें 14 विदेशी शहर भी शामिल थे। परीक्षा में 23 लाख से अधिक उम्मीदवार शामिल हुए थे। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्रालय ने सीबीआई से कथित अनियमितताओं के पूरे मामले की व्यापक जांच करने का अनुरोध किया है, जिसमें षडयंत्र, धोखाधड़ी, प्रतिरूपण, विश्वासघात और उम्मीदवारों, संस्थानों और बिचौलियों द्वारा सबूतों को नष्ट करना, अनियमितताओं का प्रयास करना शामिल है।

मंत्रालय ने सीबीआई से परीक्षा के आयोजन से जुड़े लोक सेवकों की भूमिका, यदि कोई हो, की जांच करने तथा घटनाओं के पूरे दायरे और बड़ी साजिश की जांच करने का अनुरोध किया है। सीबीआई ने तदनुसार एक आपराधिक मामला दर्ज किया है और जांच शुरू की है। मामले की सर्वोच्च प्राथमिकता पर जांच करने के लिए सीबीआई द्वारा विशेष टीमों का गठन किया गया है एवं इन टीमों को पटना और गोधरा भेजा जा रहा है जहां स्थानीय पुलिस ने मामले दर्ज किए हैं।

क्या राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की वेबसाइट हैक कर ली गई थी? क्या एनटीए के दूसरे पोर्टल्स के साथ भी ऐसा ही हुआ था? राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के अधिकारियों ने इस मामले पर रविवार को बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि उनकी वेबसाइट और अन्य सभी वेब पोर्टल पूरी तरह से सुरक्षित हैं। एजेंसी की ओर से कहा गया कि इनके हैक होने की खबरें गलत और भ्रामक हैं। मालूम हो कि सोशल मीडिया पर इस तरह की बातें हो रही थीं और कहा जा रहा था कि एनटीए की वेबसाइट के साथ दिक्कत आई है।

दरअसल, राष्ट्रीय प्रात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सूरसागर में उपद्रव के तीसरे दिन भी हालात तनावपूर्ण, लेकिन स्थिति काबू में

सूरसागर में हुए उपद्रव का एक वीडियो रविवार को सामने आया, दावा है कि, पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में पथराव हुआ था

जोधपुर, 23 जून (कासं)। जोधपुर के सूरसागर में उपद्रव के तीसरे दिन रविवार को भी हालात तनावपूर्ण रहे, लेकिन स्थिति काबू में है। शनिवार के बाद रविवार को भी लोग घरों में कैद रहे। उपद्रव के आरोप में 67 लोगों पर नामजद मामला दर्ज किया गया है। अब तक 43 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। उपद्रव के तीसरे दिन रविवार को सूरसागर इलाके का पूरा मार्केट बंद रहा, क्षेत्र में शांति रही। मार्केट बंद होने और गर्मी के कारण लोगों की सड़क पर आवाजाही कम रही। दोपहर में कुछ महिलाएं पुलिस कार्रवाई को लेकर सूरसागर थाने पहुंची थी, जहां से उनको समझाकर वापस घर भेज दिया।

सूरसागर में शुक्रवार को हुए उपद्रव का एक वीडियो रविवार को सामने आया। दावा है कि, पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में पथराव हुआ था। सूरसागर इलाके में रविवार को चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बनी हुई है। दो पक्षों में विवाद के बाद सूरसागर, प्रतापनगर, देवनगर और राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में धारा 144 लगाई गई, जो अब तक जारी है। सूरसागर क्षेत्र में जहां विवाद हुआ था, वहां पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। पुलिस दर्ज मामलों में जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है। क्षेत्र में अब शांति है। पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र के लोगों से मिलकर शांति व्यवस्था बनाए रखने की भी अपील की। सूरसागर में दो

- **रविवार को भी लोग घरों में कैद रहे, उपद्रव के आरोप में 67 लोगों पर नामजद मामला दर्ज किया गया है, अब तक 43 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।**
- **विवाद के बाद सूरसागर, प्रतापनगर, देवनगर और राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में धारा 144 लगाई गई, जो अब तक जारी है।**

पक्षों के बीच हुई झड़प को लेकर रविवार को कमिश्नरेट ऑफिस में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस कमिश्नर से आग्रह किया कि, किसी भी प्रकार की एकतरफा कार्रवाई नहीं की जाए और दोषियों को बख्शा नहीं जाए।

प्रतिनिधिमंडल में भोपालगढ़ विधायक गीता बरवड़, सांसद प्रत्याशी करणसिंह उचियारड़ा, जे.डी.ए. के पूर्व चेयरमैन राजेंद्र सोलंकी, महापौर कुंती देवड़ा, लूणी के पूर्व विधायक महेंद्र विश्नोई, उप महापौर अब्दुल करीम जॉनी, जोधपुर उत्तर जिलाध्यक्ष सलीम खान और वकील आनन्द पुरोहित शामिल रहे।

इलाके में एहतियात के तौर पर फायर ब्रिगेड को तैनात किया गया है। शुक्रवार रात को हुए हंगामे में दो पुलिसवाले भी घायल हुए थे। इस दौरान उपद्रवियों ने एक दुकान में आग भी लगा दी थी। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। करीब तीन घंटे तक यह हंगामा चलता रहा। उपद्रव की रात के वीडियो सामने आ रहे हैं। एक वीडियो में पुलिस प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाया जा रहा है। दावा है कि, पुलिस कर्मियों की मौजूदगी में कुछ लोगों ने पथराव किया। यह वीडियो शुक्रवार रात प्रभावित इलाके के एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राहुल गांधी तमिलनाडु शराब त्रासदी पर चुप क्यों हैं'

नई दिल्ली, 23 जून। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु जहरीली शराब मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने रविवार को कहा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इस पर बयान देना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि 200 से ज्यादा लोग अब भी गंभीर अवस्था में अस्पताल में हैं। कुल 56 लोगों की मौत हो गई है और उनमें से ज्यादातर

- **वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सवाल किया कि, तमिलनाडु में जहरीली शराब पीने से 56 लोंगों की मौत हुई है तथा 200 लोग अस्पताल में भर्ती है, अधिकांश लोग अनुसचित जाति के हैं, लेकिन राहुल गांधी कहां हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जमानत रद्द होने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुँचे मु.मंत्री केजरीवाल

केजरीवाल के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में जल्द से जल्द सुनवाई करने की अपील की है

नई दिल्ली, 23 जून। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा उनकी जमानत पर रोक लगाने के खिलाफ अब सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शराब घोटाले में आरोपी अरविंद केजरीवाल ने जमानत पर रोक लगाए जाने के बाद देश की सबसे बड़ी अदालत में अपनी याचिका लगाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सीएम अरविंद केजरीवाल के वकीलों ने अदालत से गुहार लगाई है कि वो सोमवार को इस मामले में सुनवाई करे।

बताया जा रहा है कि, इस याचिका में केजरीवाल की तरफ से कहा गया है कि दिल्ली हाई कोर्ट ने जिस तरह से उनकी जमानत पर स्टे लगाया है वो कानून के निर्देशों के विपरित है और यह बुनियादी मौलिक सीमा का उल्लंघन भी है। याचिका में यह भी कहा गया है कि हाई कोर्ट द्वारा जमानत पर स्टे लगाने से याचिकाकर्ता को दुख पहुंचा है लिहाजा कोर्ट के इस आदेश को एक पल के लिए भी जारी नहीं रखा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत से गुहार लगाई गई है कि वो हाई कोर्ट द्वारा लगाए गए स्टे को रद्द करें और अनुरोध किया गया है कि याचिकाकर्ता को जमानत दी जाए।

- **केजरीवाल ने याचिका में अपील की है कि, लोअर कोर्ट से जमानत मिलते ही हाई कोर्ट ने जिस तरह से उनकी जमानत पर रोक लगाई है वह कानून के बिल्कुल विपरीत है।**
- **गौरतलब है कि, लोअर कोर्ट से अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल गई थी लेकिन अगले ही दिन हाई कोर्ट में ई.डी. के विरोध करने पर रिहाई से ऐन पहले हाई कोर्ट ने उनकी रिहाई पर रोक लगा दी।**

अरविंद केजरीवाल अभी तिहाड़ जेल में बंद हैं। ई.डी. ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े केस में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। बीते गुरुवार को इस पूरे प्रकरण में एक दिलचस्प मोड़ आया। दरअसल दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को रेगलुर बेल दे दी थी।

लेकिन इससे पहले कि केजरीवाल तिहाड़ जेल से बाहर आते प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने सीएम केजरीवाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गाजियाबादः सिलैण्डर फटने से छः लोग झुलसे

गाजियाबाद, 23 जून। गाजियाबाद से दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां एक घर में एलपीजी सिलेंडर में लीकेज के चलते आग लग गई जिसमें मां और उनकी दो बेटियों की झुलस कर मौत हो गई। आग में झुलसे कुल 6 लोगों में से 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि आग एलपीजी सिलेंडर में लीकेज के चलते लगी।

- **इस हादसे में घर में मौजूद माँ और उसकी दो बेटियों की मौके पर ही मौत हो गई व तीन अन्य लोग अस्पतातल में भर्ती हैं।**

न्यू डिफेंस कॉलोनी में नाथूराम के मकान में उनके साले मुकेश रहते हैं। परिवार में मुकेश के 17 वर्षीय बेटे अंकित के अलावा मुकेश की पत्नी 35 वर्षीय बागमती, 18 साल के प्रियंका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीस्ता प्रोजैक्ट पर तरसता रह गया चीन, भारत ने बाजी मार ली

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने खुद दिल्ली आकर समझौता पूरा किया और भारत को तीस्ता प्रोजैक्ट को डवलप करने की जिम्मेदारी सौंपी

नई दिल्ली, 23 जून। भारत और बांग्लादेश ने शनिवार को नए क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए भविष्य की योजना पर सहमति जताई और समुद्री क्षेत्र समेत कई अहम क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शेख हसीना के बीच हुई बातचीत के प्रमुख परिणामों में तीस्ता नदी के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए एक बड़ी परियोजना के लिए भारत द्वारा एक तकनीकी दल को जल्द ही बांग्लादेश भेजना, एक व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ना और रक्षा संबंधों को बढ़ावा देना शामिल है।

बता दें कि चीन लंबे समय से ढाका को इस बात के लिए राजी करने में लगा था कि उसे तीस्ता बेसिन को विकसित करने का मौका दिया जाए। हालांकि बांग्लादेश भूराजनीतिक समीकरणों को देखते हुए भारत के साथ ही काम करने को सहमत हुआ है। इस बड़ी परियोजना का महत्व इसलिए बढ़ गया है क्योंकि चीन ने भी परोक्ष तौर पर इसमें रुचि दिखाई है। इस परियोजना के तहत तीस्ता नदी के पानी के प्रबंधन और संरक्षण के लिए बड़े जलाशय और संबंधित बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की परिकल्पना की गई है।

परियोजना पर यह कदम दोनों देशों के बीच तीस्ता जल बंटवारे पर एक समझौता होने के लंबे समय से लंबित प्रस्ताव के बीच उठाया गया है। इस समझौते पर सितंबर 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की बांग्लादेश यात्रा के दौरान हस्ताक्षर होने थे, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आपत्तियों के कारण इसे अंतिम समय में स्थगित कर दिया गया था। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि भारत उपयुक्त भारतीय सहायता से बांग्लादेश के अंदर तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन की योजना बना रहा है।

- **तीस्ता नदी जल प्रोजैक्ट को विकसित करने के लिए एक टीम जल्द ही बांग्लादेश जायेगी, प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री शेख हसीना के बीच शनिवार को इस मुद्दे पर सहमति बनी।**
- **इस बड़ी परियोजना का महत्व इसलिए बढ़ गया है क्योंकि चीन ने भी परोक्ष तौर पर इसमें रुचि दिखाई है। इस परियोजना के तहत तीस्ता नदी के पानी के प्रबंधन और संरक्षण के लिए बड़े जलाशय और संबंधित बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की परिकल्पना की गई है।**

दोनों पक्षों ने डिजिटल क्षेत्र, समुद्री क्षेत्र, समुद्री अर्थव्यवस्था, रेलवे, अंतरिक्ष, हरित प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और चिकित्सा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों पक्षों ने दो ''विश्वसनीय'' पड़ोसियों के बीच कई नए क्षेत्रों में परिवर्तनकारी सहयोग के लिए एक ''भविष्यवादी दृष्टिकोण'' पर भी सहमति जताई। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच वार्ता का मुख्य जोर डिजिटल और ऊर्जा संपर्क में भारत-बांग्लादेश सहयोग को बढ़ाने के तरीकों का पता लगाना था। साथ ही दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच सीमाओं के शांतिपूर्ण प्रबंधन की दिशा में काम करने का संकल्प लिया।

मोदी ने मीडिया को संबोधित करते हुए लोगों के बीच आपसी संपर्क को दोनों देशों के बीच संबंधों का आधार बताया और कहा कि बांग्लादेश से इलाज के लिए भारत आने वाले लोगों के लिए भारत ई-मेडिकल वीजा सुविधा शुरू करेगा।

भारत ने रंगपुर में एक नया सहायक उच्चायोग खोलने का भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोच्चि एयरपोर्ट पर 19 करोड़ की कोकीन जब्त

कोच्चि, 23 जून। केरल में कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो तंजानियाई यात्रियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 19 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की गयी है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने विशिष्ट सूचना के आधार पर हवाई अड्डे पर एक पुरुष और एक महिला यात्री को गिरफ्तार कर लिया।

- **कोकीन की तस्करी कर रहे दो तंजिनियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया है।**

दोनों पर कोकीन की तस्करी करने का आरोप है। डीआरआई के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह यात्रियों की एक्स-रे जांच की गई थी, जिसमें उनके पेट में कुछ कैप्सूल पाए गए थे। दोनों यात्रियों को हवाई अड्डे के निकट एक निजी अस्पताल ले जाया गया और उनके शरीर से नशीली दवा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तृतीय श्रेणी शिक्षक एवं सूचना सहायक भर्ती परीक्षा में हुए फर्जीवाड़े का खुलासा

डमी अभ्यर्थी बैठाकर नौकरी हासिल करने वाला सूचना सहायक गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती एवं सूचना सहायक भर्ती परीक्षा में हुए फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए पुलिस ने रविवार को बीसीएमओ कार्यालय सज्जनगढ़ में पदस्थापित सूचना सहायक मुकेश पुत्र हवसिंह मईडा को गिरफ्तार किया है।

महानिरीक्षक एस. परिमला एवं जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. राजेश भारद्वाज के नेतृत्व में टीम गठित की गयी थी। जिला पुलिस अधीक्षक अग्रवाला ने बताया कि सज्जनगढ़ थानाधिकारी नागेन्द्र सिंह ने मुखबीर की सूचना पर डमी अभ्यर्थी से परीक्षा दिलवाकर सूचना सहायक की नौकरी हासिल करने वाले मुकेश को गिरफ्तार किया। अग्रवाला ने बताया कि मुकेश ने सूचना सहायक भर्ती-

डमी अभ्यर्थी बैठाकर सूचना सहायक का पद अर्जित करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

2018 की परीक्षा के आवेदन पत्र में अन्य डमी अभ्यर्थी के फोटो भरकर डमी अभ्यर्थी से परीक्षा दिलवाते हुए उक्त पद हासिल किया। इस तथ्य की जांच के लिये अभ्यर्थी की मूल पत्रावली के समस्त दस्तावेजों का बारिकी से निरीक्षण किया गया तो पाया गया कि आवेदन पत्रों पर लगी हुई फोटो प्रथम दृष्टतया अलग-अलग व्यक्ति एवं आवेदन पत्रों पर हस्ताक्षर भी प्रथम दृष्टया अलग-अलग व्यक्ति द्वारा किये जाना पाया गया। आरोपी मुकेश के विरुद्ध भादस की विभिन्न धाराओं, 66 डी आईटी एक्ट व धारा 3, 4, 6, 7, 10 राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम 1992 का अपराध प्रमाणित पाये जाने पर गिरफ्तार किया गया।

- बीसीएमओ कार्यालय सज्जनगढ़ में पदस्थापित है सूचना सहायक मुकेश पुत्र हवसिंह मईडा

पुलिस ने न्यायालय से आरोपी मुकेश को पांच दिन की पुलिस अभिरक्षा में लिया है। पूछताछ पर पता चला कि मुकेश का संपर्क स्थानीय एजेन्ट के माध्यम से जालौर व बाडमेर जिले के व्यक्तियों से हुआ। इस मामले में और गिरफ्तारियों की संभावना है। पुलिस टीम में वृत्ताधिकारी बागीदौरा विनय चौधरी, कुशलगढ़ वृत्ताधिकारी शिवन्या सिंह, कलिंजरा थानाधिकारी रोहित कुमार, सज्जनगढ़ थानाधिकारी नागेन्द्र सिंह, कलिंजरा के कांस्टेबल विजेश कुमार, अखिलेश व विमल कुमार शामिल रहे।

जैसलमेर में शिकारियों ने गोली मारकर हिरण का शिकार किया

हिरण भागकर झाड़ियों में छिप गया, शिकारियों को हिरण नहीं मिलने पर वे मौके से चले गए

जैसलमेर, (नि.सं.)। राज्य के जोधपुर में अभिनेता सलमान खान को हिरण शिकार करने पर न्यायालय द्वारा जेल की सलाखों के पीछे भेजने के उपरांत भी जैसलमेर में हिरण शिकार की वारदातें आये दिन हो रही है। पिछले दिनों शिकारियों ने नेहड़ाई के समीप हिरण का शिकार किया। शनिवार को लाठी के समीप हिरण को तीन गोली मारकर शिकार कर दिया।

जैसलमेर के लाठी वन विभाग के लाला-कराड़ा गांव की सरहद पर शनिवार रात को शिकारियों ने एक चिंकारा हिरण का शिकार किया। शिकारियों ने हिरण को तीन गोलियां मारी। हिरण भागकर झाड़ियों में छिप गया। शिकारियों को हिरण नहीं मिलने पर वे मौके से चले गए। रातभर झाड़ियों में रहने के कारण ज्यादा खून बहा और हिरण की मौत हो गई। रविवार सुबह ग्रामीणों को झाड़ियों में मृत हिरण नजर आने के बाद पर्यावरण प्रेमियों को सूचना देकर मौके पर बुलाया। मौके पर आए पर्यावरण प्रेमियों ने वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलने के करीब छह घंटे के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग की टीम घटना की जांच कर रही है।

- रातभर झाड़ियों में रहने के कारण ज्यादा खून बहा और हिरण की मौत हो गई, पर्यावरण प्रेमियों में आक्रोश
- सूचना मिलने के करीब छह घंटे के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटना की जांच की

पर्यावरण प्रेमी सुमेरसिंह ने बताया कि मृत हिरण को तीन गोलियां लगी है। खुलेआम वन्य जीवों का शिकार हो रहा है, मगर वन विभाग की नींद नहीं खुल रही है। इस तरह तीन गोलियां मारकर हिरण का शिकार करने के मामले में सभी वन्य जीव प्रेमियों और पर्यावरण प्रेमियों में गुस्सा है। साथ ही मांग है कि जल्द से जल्द शिकारियों को गिरफ्तार किया जाए।

करंट से 37 भेड़ों की मौत

जालोर, (का.सं.)। जालोर जिले के भीनमाल स्थित नरसाना गांव में बारिश के दौरान बिजली के खंभे से बाड़े में लगी फेसिंग जाली में करंट दौड़ने से 37 भेड़ों के करंट की चपेट मे आने से मौत हो गई। नरसाना के पशुपालक कानाराम देवासी ने बताया कि घर के वह घर के पास भेड़ों का बाड़ा बनाया हुआ है जिसमें लोहे की फेंसिंग जाली लगा रखी है। जिससे बिजली का पोल टच करता है खंबा ऊपर से क्षितठास्त है और पोल के अंदर लगे लोहे के सरीये मे करंट आने से नीचे पोल में लगे कुंडे से फेसिंग जाली मे करंट दौड गया। जिससे जाली के पास बैठी 37 भेडे करंट की चपेट मे आने से मौत हो गई।

'सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत बढ़ी हुई राशि का सीधा हस्तांतरण होगा'

27 जून को झुंझुनूं में होगा कार्यक्रम, मुख्यमंत्री लाभार्थियों से करेंगे संवाद

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 27 जून को झुंझुनूं में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत बढ़ी हुई राशि का पेंशनर्स के खातों में डीबीटी करेंगे। इस दौरान शर्मा लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि चुनाव पूर्व किया गया एक और वादा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूरा किया है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास सबका विश्वास की भावना से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े

- 88.44 लाख पेंशनर्स के खातों में 1038.55 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी होगी

व्यक्ति व उनके परिवार को राज्य सरकार की सुविधाओं से लाभान्वित करने को प्रतिबद्ध है और आगे भी सरकार लोक कल्याण के कार्य जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन विकसित भारत व विकसित राजस्थान का संकल्प भी पूरा करेंगे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत बढ़ी हुई राशि का एक साथ सीधा हस्तांतरण लाभार्थियों के खाते में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 88.44 लाख लाभार्थियों के खाते में 1038.55 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी की जाएगी।

उन्होंने बताया कि एक अप्रैल 2024 से पेंशन राशि 1000 से बढ़कर 1150 रुपए दी जा रही है। विभाग द्वारा मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना, मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना, मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना, लघु एवं सीमान्त वृद्धजन कृषक सम्मान पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय नि:शक्त पेंशन योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

अविनाश गहलोत ने बताया कि राज्य सरकार बुजुर्गों व जरूरतमंद को पेंशन देकर उन्हें आर्थिक सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर रही है तथा तथा समाज के वंचित एवं पिछड़े वर्ग को मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-758 गलोदिया गांव के निकट अनियंत्रित कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवको मौत हो गई। दोनों युवक जेसीबी चालक थे। गंगापुर थाना पुलिस के अनुसार नेशनल हाईवे-758 पर बीती रात में गलोदिया गांव के निकट गलत दिशा में जा रही एक बाइक पर सवार दो युवकों को सामने से आ रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर गंगापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को गंगापुर अस्पताल लाया गया, जहां से उनको भीलवाड़ा रेफर किया गया। उपचार के दौरान दोनों बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त राजू सिंह रावत निवासी ब्यावर, फोरू मीना निवासी जहाजपुर के रूप में हुई है दोनों मृतकों के शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए गए, जिनका परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

आठ साल की बेटी सहित विवाहिता लापता

अजमेर, (कासं)। जिले के ग्राम ककलाना निवासी एक विवाहिता अस्पताल जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन वह वापस नहीं लौटी। विवाहिता के साथ उसकी 8 वर्षीय पुत्री भी है। पति का आरोप है कि पत्नी अपने साथ सोना-चांदी के जेवरात, 25 हजार नगद और पड़ोसी से 6 हजार रुपए उधार भी लेकर गई है।

ककलाना निवासी सलीम पुत्र बाबू ने सदर थाने में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई। इसमें बताया कि उसकी पत्नी माया गत 19 जून को सुबह उसके पिता बाबू को पुत्री खुशबू को अस्पताल दिखाने की बात कहकर घर से निकली थी। इस दौरान वह काम पर गया हुआ था और शाम को चार बजे पत्नी माया का उसके पास फोन आया कि वह अपने पिता के पास पीहर जा रही है और उसने फोन काट दिया। शाम छह बजे वह अपने घर पहुंचा तो उसके पिता बाबू ने बताया कि उसकी पत्नी अस्पताल जाने की बात कहकर गई थी। लेकिन अभी तक वापस नहीं लौटी, जिस पर उसने उसकी आस-

- 25 हजार नकद, जेवरात भी साथ लेकर गई थी महिला
- विवाहिता अस्पताल जाने की बात कहकर घर से निकली थी

पास तलाश की लेकिन उसका पता नहीं लगा। इसके बाद वह अपने ससुराल ग्राम भर्तवा भीम गया और पत्नी माया के बारे में पूछताछ की तो उसके ससुराल वालों ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

शिकायत में आरोप लगाया कि साले प्रकाश पुत्र लक्ष्मण व नानी सास सुगरा ने उसके साथ गाली-गलौच कर वहां से भगा दिया। उसकी पत्नी अपने साथ सोने-चांदी के जेवरात, 25 हजार नगद और पड़ोसी से 6 हजार रुपए उधार भी लेकर गई है। सदर थाना पुलिस ने गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कर तलाश के प्रयास शुरू कर दिए।

डॉ. मुखर्जी ने देश की अखण्डता-एकता के लिए बलिदान दिया: भजनलाल शर्मा

'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश ने बड़ा बदलाव देखा'

धौलपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को धौलपुर के भाजपा कार्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महान चिंतक, विचारक और राष्ट्रप्रेमी थे। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन देश की एकता-अखण्डता के लिए समर्पित किया। हम सभी को डॉ. मुखर्जी के बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने आजादी के बाद बनी पहली सरकार में मंत्री का पद त्याग दिया था क्योंकि उस वक्त की सरकार तुष्टीकरण की नीति पर चल रही थी और जम्मू-कश्मीर की नीति पर उनके स्पष्ट विचार थे कि एक देश में दो निशान दो विधान नहीं होने चाहिए। डॉ. मुखर्जी ने बंगाल में अकाल के दौरान भी किसानों-गरीबों की सेवा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का विरोध डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने सबसे पहले किया। डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रवाद की भावना से जिस जनसंघ की स्थापना में अहम भूमिका निभायी, वह आज भारतीय जनता पार्टी के रूप में विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने बड़े बदलाव को देखा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण, आतंकवाद और नक्सलवाद को समाप्त करने का कार्य किया गया है। शर्मा ने कहा कि गरीब कल्याण, विकास योजनाओं, सीमा सुरक्षा के जरिए प्रधानमंत्री ने देश का मान पूरे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।

विश्व में बढ़ाया है। शर्मा ने कहा कि सरकार बनने के बाद 6 महीने में हमने

- छह माह में हमारी सरकार ने संकल्प पत्र के 45 प्रतिशत वायदे पूरे किए : मुख्यमंत्री

संकल्प पत्र के लगभग 45 प्रतिशत वायदों को पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय विचार से प्रेरणा लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं को केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी जरूरतमंद इन योजनाओं का लाभ लेने से नहीं छूटे। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि बजट के लिए जरूरी सुझाव अवश्य दें। बजट पूर्व संवाद के जरिए सभी वर्गों के सुझावों को शामिल करने का प्रयास भी किया जा रहा है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों को अपनाकर देश-सेवा के कार्य में जुटे रहें।

उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी की नीति और विचार ही ऐसे हैं कि हम समर्पित भाव से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। इस दौरान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, एसटी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष नारायण मीणा, संभाग सह प्रभारी दीनदयाल कुमावत, जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र पाराशर, लोकसभा भाजपा प्रत्याशी इंदू जाटव एवं विधानसभा प्रत्याशी गिर्राज मलिंगा, नीरजा शर्मा, शिवचरण कुशवाहा, सुखराम कोली सहित पार्टी के कार्यकर्ता एवं आमजन मौजूद रहे।

डॉ. अंबेडकर की मूर्ति को तोड़ ले गए असामाजिक तत्व

गंगापुर सिटी, (निसं)। मिर्जापुर क्षेत्र के हिंगोटिया रोड सरकारी स्कूल के पीछे जमीन का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक पक्ष का कहना है कि यह जमीन समाज की है, जबकि दूसरे पक्ष का कहना है कि यह उनकी खुद की खातेदारी की जमीन है। शनिवार रात कुछ असामाजिक तत्वों ने अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर उठा ले गए। लोगों को पता चलने पर उन्होंने बदमाशों का पीछा किया और बदमाश बाइक और चप्पल मौके से छोड़कर फरार हो गए।

सूचना पर रात को पुलिस भी मौके पर पहुंची। दूसरे दिन लोगों को पता चलने पर उनमें आक्रोश फैल गया। हिंगोटिया रोड स्थित एक भूमि पर लंबे समय से दो पक्षों में विवाद चल रहा है। इनमें एक पक्ष जमीन को एससी समाज की जमीन बता रहा है, जबकि दूसरा पक्ष उसके खातेदारी की जमीन बता रहा है। इसी विवाद के बीच शनिवार रात को कुछ असामाजिक तत्व यहां आए और यहां

घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

लगी अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर ले गए। समाज के शिवनारायण ने बताया कि रात करीब 10 बजे के बाद कुछ बदमाश यहां काफी समय से लगी अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर ले गए। पता चलने पर कुछ लोगों ने बदमाशों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन बदमाश रोकने गए लोगों के साथ मारपीट कर भाग गए।

शिवनारायण सहित समाज के लोगों ने बताया कि यह समाज की जमीन है, जिसमें भूमाफियाओं की नजर है और इसे बेचना चाहते हैं। लोगों ने अंबेडकर की प्रतिमा को पुन: स्थापित करने सहित बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

अपहरण कर फिरौती वसूली घटना का पर्दाफाश, तीन आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

पुलिस गिरफ्त में मास्टर माइंड सलमान उर्फ कूका व दो अन्य शामिल है

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र में प्लास्टिक व्यापारी का अपहरण कर 20 लाख की फिरौती वसूलने के मामले में पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने तीन आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्त में मास्टर माइंड सलमान उर्फ कूका व दो अन्य शामिल है। फिरौती की राशि से खरीदी गई एक पुरानी कार भी पुलिस ने बरामद कर जब्त की है। आरोपियों ने फिरौती में वसूली गई 20 लाख रुपए की रकम का दिल्ली में ही बंटवारा किया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

350 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाली:-अजमेर एएसपी दुर्गसिंह राजपुरोहित ने बताया कि रामगंज थाना क्षेत्र के चंद्रवरदाई नगर निवासी नरेश मनकानी ने थाने में अपहरणकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। वारदात के बाद आरोपी बिना नम्बरी कार में फरार हो गए थे। एसपी देवेंद्र विश्नोई के दिशा निर्देशों

व्यापारी का अपहरण कर फिरौती वसूलने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पर पुलिस टीमों का गठन कर आसपास के क्षेत्रों मे लगे हुए सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया। टीमों ने विभिन्न हाईवे, टोल और बाजारों में लगे हुए लगभग 350 कैमरों की फुटेज को खंगाला। उन्होंने बताया कि आरोपी बार-बार अपनी लोकेशन बदल रहे थे और अधिक देर तक एक जगह पर नहीं रूक रहे थे। एएसपी राजपुरोहित ने बताया कि आरोपियों द्वारा अपने महंगे शौक पूरे करने व अन्य आरोपियों की फरारी व अपनी फरारी काटने के खर्च के लिए अपहरण कर फिरौती वसूली गई।

थाना प्रभारी रविन्द्रसिंह खींची ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कूका को फिरोज के साथ देखा गया था। पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया है। सलमान उर्फ कूका पुत्र ताजू खान निवासी ग्राम सोमलपुर, साजन पुत्र सत्तार चीता निवासी हरियाली बाडिया सोमलपुर तथा फिरोज पुत्र अशरफ मेहरात निवासी ग्राम लसानिया प्रथम पुलिस थाना ब्यावर सदर जिला ब्यावर को दस्तयाब कर बाद अनुसंधान गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी खींची ने बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने वारदात के बाद आरोपी दिल्ली चले जाने, दिल्ली में ही वसूली गई 20 लाख रुपए की रकम को आपस में बांट लिया और साजन व कूका ने इस राशि में से दो लाख में एक पुरानी कार भी खरीदी। प्रकरण में मुल्जिम सलमान उर्फ कूका के अन्य साथियों की तलाश जारी है।

- फिरौती की राशि से खरीदी गई एक पुरानी कार भी पुलिस ने बरामद की
- आरोपियों ने फिरौती में वसूली गई 20 लाख का दिल्ली में ही बंटवारा किया

आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में रामगंज थानाधिकारी रविन्द्र सिंह खींची, अलवर गेट थाना अधिकारी श्याम सिंह, आदर्श नगर थाना अधिकारी दिनेश कुमावत, सउनि रामगंज थाना होशियार सिंह, दुर्गेश सिंह सउनि साईबर सैल, हैड कानि. धीर सिंह, कानि. हेमन्त, संदीप (विशेष योगदान), कानि. शेरसिंह, प्रकाश सिंह, राजेश व किशन लाल शामिल रहे।

हत्या व डकैती की योजना बनाते पांच जने गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के सूरजपोल थाना पुलिस ने हत्या एवं डकैती की योजना बनाते पांच आरोपी गिरफ्तार इनके कब्जे से देशी पिस्टलय मय कारतूस व मादक पदार्थ, हथियार व दो स्कूटी बरामद की।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन पुरोहित के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी सुनिल चारण के नेतृत्व में एसआई दिनेश पाटीदार मय टीम 22 जून को गश्त के दौरान मुखबीर से खांजीपीर कब्रिस्तान गेट के सामने रेलवे कैम्पस में झाड़ियों के पिछे बैठे हैं जो आयड़ निवासी इर्शाद की हत्या करने तथा पैट्रोल पंप लूट की योजना बनाने की मुखबीर से सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे, जहां आपसी रंजिश के चलते आयड़ निवासी ईरशाद व उसके भाई की गोली मार कर हत्या करने की योजना बनाते मो. रिजवान पुत्र हनीफ उर्फ हाजी निवासी जरीना कॉलोनी किशनपोल सूरजपोल, सोयब शेख उर्फ भोलू पुत्र मो. सिराज निवासी जरीना कॉलोनी किशनपोल सूरजपोल, मो. सईद शाकीर पुत्र जफर बैग निवासी आयड़ भुपालपुरा, मोईन खान उर्फ मच्छी पुत्र इदरीस खान निवासी जरीना कॉलोनी किशनपोल सूरजपोल, मोहसिन उर्फ टड्डी पुत्र रूस्तम अली निवासी रजानगर किशनपोल को गिरफ्तार किया। तलाशी में आरोपी मो. रिजवान के कब्जे से लठ्ठ व 56 ग्राम चरस, सोयब शेख के कब्जे से कब्जे से छुर्री, मो. शाकीर के कब्जे से देशी लोडेड पिस्टल व दो जिंदा कारतूस व स्कूटी, मोईन खान के कब्जे से छुर्री, मोहसीन के से गुप्ती बरामद कर प्रकरण दर्ज किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा. नि. वि. खण्ड रामगंजमण्डी

क्रमांक-155 **निविदा सूचना संख्या 03/2024-25** दिनांक-18/6/24

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन एवं सड़क निर्माण कार्यके लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के संमकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 07.07.2024 को 06:00 बजे तक।

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1	PWD2425WSOB00915	2	PWD2425WSOB00917
3	PWD2425WSOB00918		

(आर. कोमीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड रामगंजमंडी

DIPR/C/4617/2024

एएनएम से दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग

सादुलपुर, (निसं)। जिले के सुजानगढ के ग्रामीण क्षेत्र अन्तर्गत एक संविदा पर कार्यरत महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के साथ दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर एएनएम महिलाओं-ने विरोध प्रदर्शन कर आक्रोश प्रकट किया एवं प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर आरोपी को तुरन्त गिरफ्तार कर कडी सजा दिलवाने की मांग की है।

वहीं मामले को लेकर एल.एच.वी./ए.एन.एम. संघ ऑफ राजस्थान के ब्लॉक राजगढ की महिला कर्मियों ने दो घंटे कार्य बहिष्कार किया। तथा राजकीय अस्पताल (शहरी) के सामने प्रदर्शन कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान रूपकला वर्मा-एएनएम ने कहा कि घटना होने के बाद भी सरकार चेत जाते है, मगर ऐसी घटना न हो इसको लेकर कोई कुछ नहीं कर रहा, कुछ महिला कर्मचारियों को अब भी घटना की आशंका के भय में ड्यूटी करनी पड रही है। कई जगह अस्पताल सुनसान जगह बने हुए है, तो कही श्मशान भूमि के पास भी अस्पताल बने हुए है। उनमें तैनात महिला कर्मचारी रात को अकेले में ड्यूटी पर रहती है। जिससे उनके परिजनों को हर वक्त चिंता में डूबा रहना पडता है। उन्होंने ऐसी जगहों पर गार्ड लगवाने की मांग की। शनिवार सुबह घटना को लेकर नर्सिंगकर्मियों में भारी आक्रोश देखने को मिला तथा 2 घण्टे का कार्य बहिष्कार कर कर्मचारियों ने उपखण्ड अधिकारी सुशील कुमार सैनी,-सादुलपुर विधायक मनोज न्यांगली व बीसीएम के नाम शहरी अस्पताल प्रभारी मनीष मीणा को हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौंपकर आरोपी को तुरन्त गिरफ्तार करने की मांग की। एएनएम ब्लॉक अध्यक्ष कमलेश चौधरी ने कहा कि हमने प्रशासन से 24 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की है। अगर 24 घंटे में आरोपी तो गिरफ्तार नहीं किया गया तो अन्य संगठनों को साथ लेकर आंदोलन करेंगे तथा आंदोलन तब तक करेंगे जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होंगी। इसी दौरान कमलेश चौधरी, रूपकला, सुनीता, शंकुतला, धनपति, शर्मिला देवी, सरबती देवी, पिंकू देवी, किस्तूरी, राजबाला, सरोज, प्रियंका, मुन्नी, मनोज कुमारी, मुनेश, निर्मला देवी, मनेष देवी व ओमपति सहित एएनएम उपस्थित रही।

- कहा 24 घंटे में कार्रवाई नहीं हुई तो करेंगे आंदोलन
- शहरी पीएचसी के समक्ष नर्सिंगकर्मियों ने दो घंटे कार्य बहिष्कार कर किया प्रदर्शन

दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर विधायक को एएनएम ने ज्ञापन सौंपा।

सार-समाचार

हमला करने के दो आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी नगर पुलिस ने खरखड़ा में महिलाओं पर हुए जानलेवा हमले के दो आरोपियों को देर शाम को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों ने जमीन के विवाद को लेकर घर में अकेली महिलाओं पर जानलेवा हमला करने की बात स्वीकार की है। थानाधिकारी विजय सिंह चंदेल ने बताया कि 17 जून को कीरो की ढाणी तन खरखड़ा निवासी रामसिंह ने थाने पर उपस्थित होकर रिपोर्ट दी कि रात करीब 11 बजे उनके पड़ोसी धर्मपाल, अशोक, बिल्लू एकराय होकर उनके घर पर आए तथा घर में महिलाओं को अकेली देखकर जानलेवा हमला कर दिया था। इस दौरान हमले में शारदा देवी, विनोद देवी, सावित्री घायल हो गई थी, जिन्हें हालत गंभीर होने पर चौमूं के निजी अस्पताल में ले जाया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए आईजी के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन कर वारदात के आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास किए गए। इस दौरान पुलिस की टीम ने उनके संभावित ठिकानों पर दबिश देकर बिल्लू पुत्र जगदीश व अशोक कुमार पुत्र जगदीश को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपियों से प्रथम पूछताछ में सामने आया कि जमीन के विवाद को लेकर उन्होंने घर में अकेली महिलाओं पर लोहे की राड़ से हमला कर फरार हो गए थे। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है

कार्य बहिष्कार कर किया प्रदर्शन

बीदासर, (निसं)। सुजानगढ़ में एएनएम के साथ हुए दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर रविवार को स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा सीएचसी बीदासर में एक घंटे का कार्य बहिष्कार कर प्रदर्शन किया गया। स्वास्थ्य कर्मियों के कार्य बहिष्कार के चलते रोगियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा तथा रोगी इधर-उधर भटकते नजर आए। सीएचसी के बाहर प्रदर्शन कर रही एएनएम, एलएचवी संघ की सरोज भामू ने बताया कि जब तक आरोपी की गिरफ्तारी पुलिस प्रशासन द्वारा नहीं की जाती तब तक आंदोलन को ओर उग्र कर सम्पूर्ण कार्य बहिष्कार की रूपरेखा बनाई जाएगी। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने एएनएम के साथ हुई घटना की कड़े शब्दों में निंदा की तथा साथ ही जिला कार्यकारिणियों द्वारा सोमवार से सभी जिला मुख्यालयों पर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन दिया जाएगा। नर्सेज लीडर सरीता जाखड़ ने बताया कि घटना को आज चार दिन बीत जाने के बावजूद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होना बड़े शर्म की बात है। आरोपी की अविलम्ब गिरफ्तारी न होने पर नर्सेज को बड़े आंदोलन की ओर अग्रसर होना पड़ेगा। सीएचसी के बाहर प्रदर्शन में रूपचंद दर्जी, सुमन कस्वा, सरला सैन, सरला स्वामी, धर्मदत्त शर्मा, मनमोहन शर्मा, संतोष, प्रियंका, सरोज ढाणी कालेरान आदि कार्मिक उपस्थित थे।

नवीन सत्र का शुभारंभ

सीकर, (निसं)। जयपुर-बीकानेर बाईपास स्थित प्रिंस कॉलेज सिविल सर्विसेज डिवीजन में बीएससी, बीए एवं बीकॉम के साथ आईएएस, आरएएस, एसएससी सीजीएल एवं सीडीएस की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों हेतु नवीन सत्र का शुभारंभ हुआ।सभी नव प्रवेशित विद्यार्थियों का भारतीय संस्कृति के अनुरूप तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कॉलेज के प्रथम दिन विद्यार्थियों को यूपीएससी, आरपीएससी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का ओरिएंटेशन सेमिनार हुआ एवं कक्षाओं की शुरुआत हुई। प्रथम दिन विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

सार-समाचार

शिविर प्रशिक्षण का समापन

पाटन, (निसं)। जिले के खेतड़ी मोड चौराहे पर स्थित पीएम श्री जमुना देवी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में पिछले डेढ माह से चल रहे ग्रीष्मकालीन कौशल विकास अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर का समापन रविवार को समारोह पूर्वक किया गया। शिविर में 151 प्रशिक्षणार्थियों को अनेक तरह के प्रशिक्षण के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिले में पहली बार पेंटिंग ,पेपरमेसी व क्ले मॉडलिंग में अलग-अलग कलाकृतियां बनाकर बच्चों ने अपना हुनर आमजन के सामने रखा। बच्चों ने सुंदर-सुंदर भित्ति चित्र बनाकर जिले में पहली बार कला की विशाल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। एक से बढ़कर एक पेंटिंग बनाकर बच्चों ने दर्शकों के लिए प्रदर्शनी का आयोजन किया। चित्रकार सुरेश यादव ने बताया कि सुंदर कलाकृतियां बनाने में मुख्य भूमिका सलोनी टेलर व अनु वर्मा जो कमला मोदी महाविद्यालय की छात्राएं हैं, इनके अलावा पेपरमेसी में आराध्या अग्रवाल,दिव्यांशी शर्मा व पायल अठावाल रही। और नृत्य में सबसे सराहनीय संध्या शर्मा का रहा।राजकीय स्कूल प्रधान व शिविराधिपति शेरसिंह व स्काउट गाइड स्थानीय संघ सचिव दिलीप कुमार तिवाडी ने बताया कि शिविर के दौरान बालकों में छुपे हुए टैलेंट को निखारने और सर्वांगीण विकास के लिए 151 छात्र व छात्राओं ने सैल्फ डिफेंस, इंग्लिश स्पोकन, वेस्ट से बेस्ट बनाना, संगीत, नृत्य, ब्यूटीशियन, मेहंदी, सिलाई बुनाई, कढाई, कंप्यूटर, स्केटिंग आदि का प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह में सभी प्रशिक्षणार्थियों तथा उत्कृष्ट सेवाएं देने वालों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिंह देकर सम्मानित किया गया।

पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत

झुंझुनूं, (निसं)। भाजपा प्रदेश नेतृत्व के आ ान पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि के अवसर पर एक पेड माँ के नाम अभियान के अंतर्गत भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी के नेतृत्व में जिले के सभी मंडलों पर रविवार को एक-एक पौधा लगाया गया। इसी क्रम में झुंझुनूं नगर मण्डल में नगर मण्डल अध्यक्ष कमल कान्त शर्मा की अगुवाई में बगड रोड स्थित मुनि आश्रम परिसर में भाजपा नगर मंडल कार्यकर्ताओं द्वारा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी के मुख्य आतिथ्य में एक पौधा लगाया गया।इस मौके पर राष्ट्रीय परिषद प्रतिनिधि विश्वंभर पुनिया, जिला संयोजक सोशियल मिडिया पार्षद चंद्र प्रकाश शुक्ला, आईटी जिला संयोजक सौरभ सोनी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष इंद्राज सैनी, महेश जिनगर, नगर महामंत्री विजय शंकर जोशी, विजेंद्र हटवाल, मनोज कुंडलवाल, नगर उपाध्यक्ष ललित जोशी, रवि लांबा, रामनिवास सैनी, विकास पुरोहित, ग्रामीण मंडल से इन्द्राज सैनी, राजेन्द्र ठठेरा, लीलाधर पुरोहित, महेंद्र सोनी मणि विहार, एडवोकेट अनुपम शर्मा,जगदीश गोस्वामी, मनोज राजोरिया, जय प्रकाश चौधरी, बुधराम कुमावत,श्रीराम सैनी, सौरभ जोशी, संदीप गोयल, विनोद चौहान, मंजू चौहान, रानी ठठेरा एवं कंचन कुमावत सहित बडी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पशुपालन विभाग तैयारियां में जुटा

पाटन, (निसं)। आगामी मानसून को देखते हुए पशुपालन विभाग अपनी तैयारियों में जुट गया है। जिला पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ रणजीत मेहरानियां ने बताया कि पशुओ को रोगों से बचाव की दिशा में सघन टीकाकरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को इस बाबत कार्य योजना बनाकर टीकाकरण कार्य शुरू करने के निर्देश जारी किए गए है। डॉ मेहरानियां ने बताया कि पशुपालकों को जून-जुलाई माह में आवश्यक रूप से अपने पशुओं का गलघोंटू, लंगडा बुखार और फडकिया रोगों से बचाव हेतु टीकाकरण करवा लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि टीकाकरण करवाने के बाद पशुओं में रोगों से प्रतिरक्षा उत्पन्न होने में 2-3 हफ्ते का समय लग जाता हैं। अतः मानसून के आने से पूर्व ही टीकाकरण करवा लेना अधिक फायदेमंद रहता हैं। ताकि मानसून आने तक पशुओं में पर्याप्त प्रतिरक्षा उत्पन्न हो जाए। मानसून आने के बाद एक बार रोग प्रकोप फैल जाने पर उसको नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है और पशुधन की हानि उठानी पडती हैं। साथ ही जिन क्षेत्रों में पूर्व के वर्षों में रोग प्रकोप फैला हैं वहाँ के पशुपालकों को अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है।

विद्युत लाइन का तार टूटा

सादुलपुर, (निसं)। नंद प्लाजा से मिनी सचिवालय की ओर जाने वाले मुख्य सडक मार्ग पर रविवार दोपहर 1.30 बजे आसपास अचानक विद्युत लाइन का तार टूट जाने तार के कारण लोग बाल-बाल बच गए। हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। जबकि इस रास्ते पर दिनभर लोगों की भीड रहती है। इसी दौरान डेढ घंटे से भी अधिक समय तक टूटे तार को दुरस्त नहीं करने के कारण दुकानदारों ने रोष प्रकट किया। वहीं घटना के बाद दुकानदारों ने बिजली विभाग के अधिकारियों को तुरंत फोन कर विद्युत लाइन को बंद करवाया। वहीं टूटे विद्युत तार को ठीक करवाने की मांग की, मगर डेढ घंटे से भी अधिक में समय बीत जाने के बाद भी बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा टूटे विद्युत तार को ठीक नहीं करवाया है। जिसके कारण भीषण गर्मी में लोगों को उमस व गर्मी से बेहाल होना पडा।

मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई

चूरू, (कासं)। जिला मुख्यालय पर रविवार को भाजपा के नगरमण्डल के कार्यालय में जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा की अध्यक्षता में जनसंघ के संस्थापक सदस्य रहे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की पुण्य तिथि पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बोलते हुऐ विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी महान क्रांतिकारी थे। उनके प्रयासो से देश में अखण्ड भारत का सपना साकार हुआ।

अग्रसेन नगर फाटक पर बनेगा ओवरब्रिज

चूरू, (कासं)। जिला मुख्यालय पर लंबे समय से चली आ रही अठासेन नगर फाटक की समस्या के हल आखिर निकल ही गया।

अब अग्रसेन फाटक पर ओवर ब्रिज बनने जा रहा है। राज्य सरकार व रेल प्रशासन दोनों इस ओवरब्रिज में लगने वाली राशि का भार वहन करेंगे। गौरतलब रहे कि शहर में अठासेन नगर के निवासियों को लंबे समय से यह समस्या का सामना करना पड़ रहा था क्योंकि दिन में अनेक बार फाटक बंद होने से वाहन चालको व आपातकालीन सेवा से जुड़े लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही थी। वहीं दूसरी ओर चूरू .जयपुर रोड़ पर बने ओवरब्रिज पर भी भारी वाहनो के वर्जित होने के कारण भारी वाहन अठासेन नगर होकर गुजर रहे थे। जिस कारण अठासेन नगर में रहने वाले लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा था। जयपुर रोड़ पर बने ब्रिज में भारी वाहनों का आवागमन काफी लंबे समय से बंद था। जिसके चलते सभी वाहनों को फाटक पार करके अठासेन नगर के अंदर से होकर मुख्य सड़क पर आना होता था। जिससे कोलोनीवासियों को काफी समस्याएं हो रही थी।वहीं जहां एक ओर नए अठासेन नगर पर बनने वाले ओवरब्रिज की खुशी आम जनता में है, वहीं दूसरी ओर चर्चा हैं कि चूरू . जयपुर रोड़ पर बने ओवरब्रिज जैसी कहीं यह ओवरब्रिज भी राजनीति का शिकार न हो जाएं। उल्लेखनीय रहे कि चूरू . जयपुर रोड़ पर बने ओवरब्रिज पर भारी वाहनो का प्रवेश लंबे समय से वर्जित है। क्योंकि ओवरब्रिज के हालात ठीक नहीं है।

भाजपा बिखराव के माहौल को संभाल नहीं सकी

झुंझुनूं, (निसं)। लोकसभा चुनावों के परिणामों से पहले चर्चा थी कि प्रदेश में यदि सबसे ज्यादा वोटों से भाजपा के किसी उम्मीदवार की हार होगी तो वह झुंझुनूं से शुभकरण चौधरी की होगी। लेकिन परिणाम आए तो उसका उलटा परिणाम नजर आया। चौधरी भाजपा के हारने वाले उम्मीदवारों में सबसे कम वोटों से हारने वाले प्रत्याशी के रूप में सामने आए। शुभकरण चौधरी और उनके समर्थक और वो भाजपा कार्यकर्ता-नेता अब मलाल कर रहे है कि थोडी सी कोशिश और कर लेते तो परिणाम कुछ और होते। इधर, कांग्रेस के बृजेंद्र ओला के समर्थक और कांग्रेस भी यही सोच रहे है कि यदि थोडी सी भी ढिलाई बरतते तो सांसदी का ख्वाब इस बार भी अधूरा रह जाता।

बहरहाल, अब बात करते है कि सियासी समीकरणों की। पूरे चुनावों में कांग्रेस ने एकजुटता का मैसेज देकर झुंझुनूं लोकसभा क्षेत्र में यह माहौल बना दिया था कि कांग्रेस ना केवल एक है। बल्कि उसका हर एक नेता और कार्यकर्ता जीत के लिए पसीना बहा रहा है। तो दूसरी तरफ भाजपा नेता या तो घरों के बाहर नहीं निकले। निकले तो भी वे मंच पर मोदी-मोदी बोलते और बाहर आकर यही बोलते नजर आए कि चुनाव तो भाजपा हार गई। इस सबसे बडे फैक्टर ने भाजपा को चुनाव हरवा दिया। हालांकि चूरू से राहुल कस्वां की टिकट कटना, अग्निवीर स्कीम, किसान आंदोलन, राजपूत वोटरों की नाराजगी भी प्रमुख कारणों में शामिल रहे। फिर भी शेखावाटी में शुभकरण चौधरी ने अपने दम पर जिस मजबूती के साथ चुनाव लडा। आज वो सियासी हलकों में चर्चित हो रही है। इधर, कांग्रेस ने भी चुनाव जीत लिया है। मगर फिर भी कांग्रेस के कैंप में वो खुशी नहीं है। जो होनी चाहिए। दरअसल कांठोस अपनी जीत एक लाख से अधिक वोटों से मानकर चल रही थी। ऐसे में आंकडा 18 हजार के करीब ही आकर अटक गया। जो कहीं ना कहीं कांग्रेस के लिए अलार्म है कि कांठोस जीती तो है। पर भाजपा के बिखराव और कांग्रेस के पक्ष में माहौल के कारण। इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता है कि कांठोस ने पहली बार एकजुटता के साथ चुनाव लडा और इसी एकजुटता के माहौल ने जीत तक बृजेंद्र ओला को पहुंचा दिया। भाजपा को सर्वाधिक नुकसान खेतडी और झुंझुनूं में हुआ। खेतडी में हजारों की बढत सैकडों में तब्दील हो गई। झुंझुनूं में भाजपा के नेता और उनके समर्थक उप चुनावों के ख्वाब लेने के लिए घर जाकर सो गए। हालांकि फतेहपुर और मंडावा से पहले भी आस कम ही थी। लेकिन फिर भी जितनी कमजोरी सोच रही थी। भाजपा को उतनी कमजोरी मिली नहीं।

कांग्रेस ने विकास से दूर रहते हुए शहरों में विकास नहीं होने दिया : मंत्री खर्रा

सीकर, (निसं)। भाजपा की समस्याओं को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ जनसुनवाई की शुरुआत रविवार को जिला भाजपा कार्यालय में हुई। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने जनसुनवाई कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष डॉ. कमल सिखवाल, पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व विधायक राजकुमारी शर्मा, रतनलाल जलधारी व केडी बाबर, पूर्व जिलाध्यक्ष पवन मोदी, जिला महामंत्री संजय सैनी व नेता प्रतिपक्ष अशोक चौधरी मंचस्थ रहे। अतिथियों ने भारत माता व पार्टी के संस्थापकों की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। यूडीएच मंत्री खर्रा ने भाजपा के संस्थापक डॉ. प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

जनसुनवाई में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा विकास से दूर रहते हुए शहरों में विकास नहीं होने दिया खर्रा ने कहा कि सीकर में स्वीकृत पुलिया की चौड़ाई बढ़ाने के लिए रेलवे ने अपनी जमीन देने के लिए साढ़े आठ करोड़ मांगे थे। रेलवे ने कहा कि चाहे यह राशि निकाय जमा कराये या राज्य सरकार। उस समय राज्य में कांग्रेस सरकार थी और शहर में कांग्रेस का बोर्ड था।

खर्रा ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि दोनों ही जगहों पर कांग्रेस शासन में रहते हुए यह रूपये जमा नहीं करवाये और पुलिया का काम अटक गया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनते ही रेलवे विभाग को साढ़े आठ करोड़ रूपये जमा करवाये और पुलिया के काम को गति मिलनी शुरू हो गई। कार्यकर्ताओं को यह बात जनता के बीच में पहुंचानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे ही बिजली के मामले में कांग्रेस ने किया। खर्रा ने कहा कि कांग्रेस शासन के समय कोयला खराब मंगवाया गया जिससे वह उतनी बिजली उत्पादन नहीं कर सका जो होनी चाहिए। नतीजा खराब कोयला आने से बिजली बनाने के संयंत्र भी खराब हो गये। भाजपा के शासन में आते ही अच्छी क्वालिटी का कोयला मंगवाया और अब बिजली पर्याप्त मात्रा में मिल रही है।खर्रा ने कहा कि पेयजल संकट के लिए कांग्रेस सहित अन्य दल भी जिम्मेदार है।

भाजपा ने हमेशा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी है लेकिन विपक्षी पार्टियों ने रोड़े अटकाने का काम किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि वे जनसमस्याओं को लिखकर जिलाध्यक्ष व पूर्व सांसद को दे जिसे राज्य सरकार दूर करवाने का हरसंभव प्रयास करेगी। जिलाध्यक्ष डॉ. कमल सिखवाल ने कहा कि भाजपा कार्यालय में जनसुनवाई की शुरुआत की अच्छी पहल हुई है। यहां कार्यकर्ताओं से जनहित से जुड़ी समस्याओं को सुना जाएगा और उन्हें दूर करवाने का प्रयास किया जाएगा। पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि निकाय चुनावों के लिए जितना परिसीमन जरूरी है उतना कार्यकर्ता के लिए परिश्रम भी जरूरी है। कहा कि वे जनसुनवाई में बैठेंगे और कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुनेंगे। पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी ने स्थानीय निकाय की जनता से जुड़ी समस्याओं को रखा। पूर्व विधायक राजकुमारी शर्मा व केडी बाबर ने स्थानीय नगर परिषद में विकास कार्यों में बरती जा रही लापरवाही के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। पूर्व जिलाध्यक्ष पवन मोदी ने कहा कि भाजपा कार्यालय में जनसुनवाई की शुरुआत होने से अब जनता से जुड़ी समस्याओं का समाधान हो सकेगा।

'मुखर्जी ने देश की एकता व अखंडता के लिए सर्वस्व न्यौछावर किया'

झुंझुनूं, (निसं)। जनसंघ के संस्थापक भारत के श्रेष्ठ राजनीतिज्ञ रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर रविवार को भाजपा नगर मंडल कार्यकर्ताओं ने नगर मण्डल अध्यक्ष कमल कान्त शर्मा के नेतृत्व में मुनि आश्रम के समक्ष मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता व अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। कांग्रेस के द्वारा संविधान में धारा 370 को जोडने का मुखर्जी ने जमकर विरोध किया था। उन्होंने इसे अखंड भारत के संविधान पर कुठारा घात बताया था। नगर मण्डल अध्यक्ष कमल कान्त शर्मा ने कहा कि अखंड भारत का स्वप्न देखने वाले पहले राजनेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश ,एक निशान ,एक संविधान ,एक प्रधान का मंत्र दिया था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 को समाप्त कर मुखर्जी के अखंड भारत के स्वप्न को साकार किया।राष्ट्रीय परिषद प्रतिनिधि विश्वंभर पुनिया ने कहा कि आजादी के बाद संविधान के लागू होने के बाद तत्कालीन कांठोस नेतृत्व वाली सरकार ने संविधान में धारा 370 जोडकर राष्ट्रीय अखंडता को गंभीर चोट पहुंचाने का प्रयास किया था।तत्कालीन सरकार की इन्हीं मंशाओं को ध्यान में रखते हुए उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में देश की सेवा कर रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना पद त्याग दिया और देश की प्रतिष्ठा और अखंडता के लिए कश्मीर से धारा 370 को हटाने के लिए उन्होंने एक व्यापक आंदोलन शुरू किया था।इस मौके पर जिला संयोजक सोशियल मिडिया पार्षद चंद्र प्रकाश शुक्ला, आईटी जिला संयोजक सौरभ सोनी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष इंद्राज सैनी, महेश जिनगर, नगर महामंत्री विजय शंकर जोशी, विजेंद्र हटवाल, मनोज कुंडलवाल, नगर उपाध्यक्ष ललित जोशी, रवि लांबा, रामनिवास सैनी, विकास पुरोहित, ग्रामीण मंडल से इन्द्राज सैनी, राजेन्द्र ठठेरा, लीलाधर पुरोहित, महेंद्र सोनी मणि विहार, एडवोकेट अनुपम शर्मा,जगदीश गोस्वामी, मनोज राजोरिया, जय प्रकाश चौधरी, बुधराम कुमावत, श्रीराम सैनी, सौरभ जोशी, संदीप गोयल, विनोद चौहान, मंजू चौहान, गायत्री पुजारी, देविका सैन, विनोद शेखावत, रूपा चनानिया, मधु मीराका, रानी ठठेरा एवं कंचन कुमावत सहित बडी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

- मुखर्जी ने एक देश, एक निशान, एक संविधान, एक प्रधान का मंत्र दिया : कमल कान्त शर्मा

भाजपा नगर मंडल कार्यकर्ताओं ने नगर मण्डल अध्यक्ष कमल कान्त शर्मा के नेतृत्व में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

विद्युत पोल टूटा

सादुलपुर, (निसं)। ट्रक की टक्कर से सिद्धमुख में विद्युत पोल टूट जाने के कारण रविवार को बडा हादसा होते होते टल गया। लेकिन विद्युत आपूर्ति बाधित होने से लोगों को परेशानी उठानी पडी। इसके अलावा गर्मी के कारण तथा लोड अधिक होने से अनेक स्थानों पर विद्युत तार भी टूट गए। गर्मी और परेशानियों के बीच विद्युत कार्मिकों ने दोपहर बाद विद्युत आपूर्ति बहाल की तो लोगों ने राहत की सांस ली। सिद्धमुख भादरा सडक पर स्थित मस्जिद के पास सुबह आठ बजे एक ट्रॉले की चपेट में आ जाने के कारण विद्युत पोल टूट कर क्षतिग्रस्त हो गया।

हालांकि घटना के वक्त समय रहते विद्युत आपूर्ति बंद हो गई अन्यथा बडा हादसा घटित हो सकता था। यहीं हाल बालाजी मंदिर रेलवे स्टेशन रोड पर लगे हुए ट्रांसफार्मर से तार टूटकर जमीन पर गिर गया। ग्रामीणों ने बताया कि बार-बार विद्युत तार टूटने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती है तथा गर्मी के मौसम में बिगडी विद्युत व्यवस्था के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड रही है।

विद्युत कार्मिकों ने बताया कि लोड अधिक होने से तार डैमेज हो रहे है विद्युत कार्मिकों ने लगातार मेहनत कर क्षतिग्रस्त विद्युत पोल को बदलने के साथ-साथ टूटे तारों को दुरस्त कर दोपहर बाद विद्युत आपूर्ति बहाल की। इसके बाद लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की वहीं अनेक लोगों ने यह भी कहा कि इस गर्मी के मौसम में विद्युत कार्मिक जान जोखिम में डालकर तथा विद्युत पोलो पर चढकर विद्युत आपूर्ति बहाल करने का काम करते हैं ऐसे लोगों का हौसला बढाना चाहिए।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में किया पौधारोपण

भाजपा संस्थापक डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई।

सीकर, (नि.सं.)। भाजपा के संस्थापक डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्य तिथि रविवार को जिला भाजपा कार्यालय में मनाई गई। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भढ़ाणा जिलाध्यक्ष डॉ. कमल सिखवाल व पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने डा. मुखर्जी की फोटो के समक्ष पुष्पांजलि से श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान कार्यालय में पार्टी के एक पेड़ मां के नाम अभियान में पौधारोपण भी किया।

देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भढ़ाना ने कहा कि भाजपा के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर के लिए अपना बलिदान दे दिया। वे कहा करते थे कि एक ही देश में दो निशान व दो विधान नहीं चल सकते। कहा कि उन्होंने हमेशा इसका विरोध किया और इसके लिए अपने प्राणों की भी आहुति दे दी। ऐसे महापुरुषों से हम सबको प्रेरणा लेनी चाहिए।जिलाध्यक्ष डा. कमल सिखवाल ने कहा कि भाजपा आज देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। इसका श्रेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे नेताओं को है। जिन्होंने पार्टी की स्थापना देश हित में की। कहा कि डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने हमेशा से ही कश्मीर में अलग निशान व अलग विधान को लेकर विरोध किया। कहा कि देश में कांग्रेस शासन के समय जो यातनाएं जनता को दी और जनता ने उन यातनाओं को झेला उनसे छुटकारा दिलाने के लिए भाजपा की स्थापना दी। ऐसे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे व्यक्तित्व के धनी थे जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उन्होंने कश्मीर को लेकर जो पीड़ा थी उसे सबके सामने रखा और हमेशा इसका विरोध किया। ऐसे महापुरुषों के व्यक्तित्व को अपने जीवन में उतारना चाहिए।भाजपा जिला कार्यालय में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भढ़ाना सहित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण करते हुए उनकी संभाल का जिम्मा भी लिया। सभी ने कहा कि वे अपने.अपने क्षेत्रों में सर्वाधिक पौधारोपण करते हुए राजस्थान को हरा.भरा रखने में अपना योगदान देंगे। इस दौरान जिला महामंत्री संजय सैनी, ओमप्रकाश बिजारणियां, नेमीचंद कुमावत, डॉ. बीएल रणवां आदि मौजूद रहे।

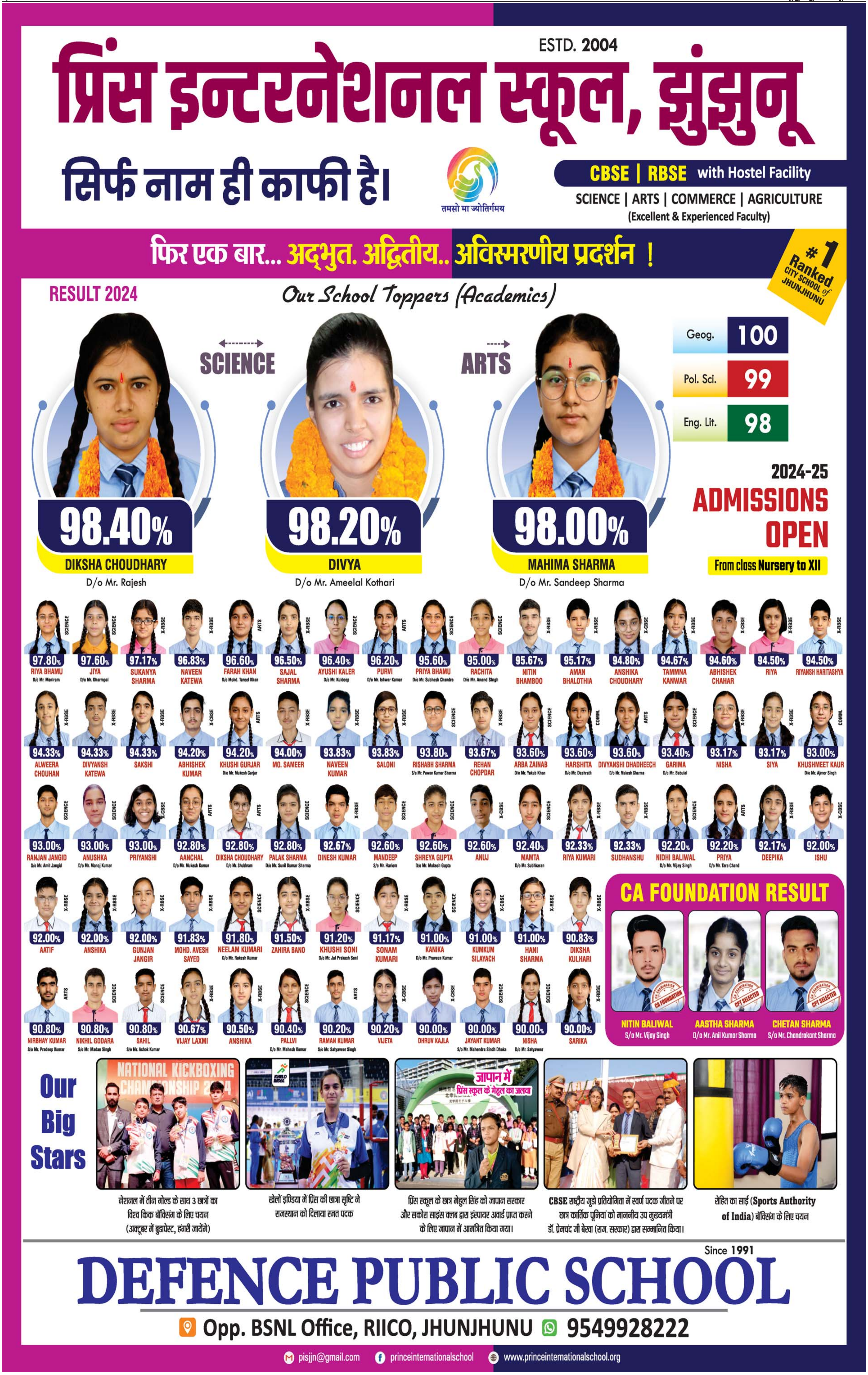
ESTD. 2004
प्रिंस इन्टरनेशनल स्कूल, झुंझुनू
सिर्फ नाम ही काफी है।
तमसो मा ज्योतिर्गमय
CBSE | RBSE with Hostel Facility
SCIENCE | ARTS | COMMERCE | AGRICULTURE
(Excellent & Experienced Faculty)
फिर एक बार... अद्भुत. अद्वितीय.. अविस्मरणीय प्रदर्शन !
1 Ranked CITY SCHOOL of JHUNJHUNU
RESULT 2024
Our School Toppers (Academics)
SCIENCE
ARTS
Geog. 100
Pol. Sci. 99
Eng. Lit. 98
98.40% DIKSHA CHOUDHARY D/o Mr. Rajesh
98.20% DIVYA D/o Mr. Ameelal Kothari
98.00% MAHIMA SHARMA D/o Mr. Sandeep Sharma
2024-25 ADMISSIONS OPEN
From class Nursery to XII
97.80% RIYA BHAMU D/o Mr. Maniram SCIENCE
97.60% JIYA D/o Mr. Dharmpal SCIENCE
97.17% SUKANYA SHARMA X-RBSE
96.83% NAVEEN KATEWA X-RBSE
96.60% FARAH KHAN D/o Mohd. Tareef Khan ARTS
96.50% SAJAL SHARMA X-RBSE
96.40% AYUSHI KALER D/o Mr. Kuldeep SCIENCE
96.20% PURVI D/o Mr. Ishwar Kumar ARTS
95.60% PRIYA BHAMU D/o Mr. Subhash Chandra SCIENCE
95.00% RACHITA D/o Mr. Anand Singh SCIENCE
95.67% NITIN BHAMBOO X-RBSE
95.17% AMAN BHALOTHIA X-RBSE
94.80% ANSHIKA CHOUDHARY X-CBSE
94.67% TAMMNA KANWAR X-RBSE
94.60% ABHISHEK CHAHAR X-CBSE
94.50% RIYA X-RBSE
94.50% RIYANSH HARITASHYA X-RBSE
94.33% ALWEERA CHOUHAN X-RBSE
94.33% DIVYANSH KATEWA X-RBSE
94.33% SAKSHI X-RBSE
94.20% ABHISHEK KUMAR X-CBSE
94.20% KHUSHI GURJAR D/o Mr. Mukesh Gurjar ARTS
94.00% MO. SAMEER X-RBSE
93.83% NAVEEN KUMAR X-RBSE
93.83% SALONI X-RBSE
93.80% RISHABH SHARMA S/o Mr. Pawan Kumar Sharma SCIENCE
93.67% REHAN CHOPDAR X-RBSE
93.60% ARBA ZAINAB D/o Mr. Yakub Khan SCIENCE
93.60% HARSHITA D/o Mr. Dashrath COMM.
93.60% DIVYANSHI DHADHEECH D/o Mr. Mukesh Sharma ARTS
93.40% GARIMA D/o Mr. Babulal SCIENCE
93.17% NISHA X-RBSE
93.17% SIYA X-RBSE
93.00% KHUSHMEET KAUR D/o Mr. Ajmer Singh COMM.
93.00% RANJAN JANGID S/o Mr. Amit Jangid SCIENCE
93.00% ANUSHKA D/o Mr. Manoj Kumar SCIENCE
93.00% PRIYANSHI X-CBSE
92.80% AANCHAL D/o Mr. Mukesh Kumar ARTS
92.80% DIKSHA CHOUDHARY D/o Mr. Shubhram ARTS
92.80% PALAK SHARMA D/o Mr. Sunil Kumar Sharma SCIENCE
92.67% DINESH KUMAR X-RBSE
92.60% MANDEEP S/o Mr. Hariom SCIENCE
92.60% SHREYA GUPTA D/o Mr. Mukesh Gupta SCIENCE
92.60% ANUJ X-CBSE
92.40% MAMTA D/o Mr. Subhkaran SCIENCE
92.33% RIYA KUMARI X-RBSE
92.33% SUDHANSHU X-RBSE
92.20% NIDHI BALIWAL D/o Mr. Vijay Singh SCIENCE
92.20% PRIYA D/o Mr. Tara Chand ARTS
92.17% DEEPIKA X-RBSE
92.00% ISHU X-CBSE
92.00% AATIF X-RBSE
92.00% ANSHIKA X-RBSE
92.00% GUNJAN JANGIR X-RBSE
91.83% MOHD. AVESH SAYED X-RBSE
91.80% NEELAM KUMARI D/o Mr. Rakesh Kumar SCIENCE
91.50% ZAHIRA BANO X-RBSE
91.20% KHUSHI SONI D/o Mr. Jai Prakash Soni SCIENCE
91.17% SONAM KUMARI X-RBSE
91.00% KANIKA D/o Mr. Praveen Kumar SCIENCE
91.00% KUMKUM SILAYACH X-CBSE
91.00% HANI SHARMA X-RBSE
90.83% DIKSHA KULHARI X-RBSE
90.80% NIRBHAY KUMAR S/o Mr. Pradeep Kumar ARTS
90.80% NIKHIL GODARA S/o Mr. Madan Singh SCIENCE
90.80% SAHIL S/o Mr. Ashok Kumar SCIENCE
90.67% VIJAY LAXMI X-RBSE
90.50% ANSHIKA X-RBSE
90.40% PALLVI D/o Mr. Mahesh Kumar SCIENCE
90.20% RAMAN KUMAR S/o Mr. Satyaveer Singh ARTS
90.20% VIJETA X-CBSE
90.00% DHRUV KAJLA X-CBSE
90.00% JAYANT KUMAR S/o Mr. Mahendra Sindh Dhaka SCIENCE
90.00% NISHA D/o Mr. Satyaveer SCIENCE
90.00% SARIKA X-RBSE
CA FOUNDATION RESULT
NITIN BALIWAL S/o Mr. Vijay Singh
AASTHA SHARMA D/o Mr. Anil Kumar Sharma
CHETAN SHARMA S/o Mr. Chandrakant Sharma
Our Big Stars
NATIONAL KICKBOXING CHAMPIONSHIP 2024
नेशनल में तीन गोल्ड के साथ 3 छात्रों का विश्व किक बॉक्सिंग के लिए चयन (अक्टूबर में बुडापेस्ट, हंगरी जायेंगे)
KHELO INDIA
खेलों इण्डिया में प्रिंस की छात्रा सृष्टि ने राजस्थान को दिलाया रजत पदक
जापान में प्रिंस स्कूल के मेहुल का जलवा
प्रिंस स्कूल के छात्र मेहुल सिंह को जापान सरकार और सकोरा साइंस क्लब द्वारा इंस्पायर अवार्ड प्राप्त करने के लिए जापान में आमंत्रित किया गया।
CBSE राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर छात्र कार्तिक पूनियां को माननीय उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद जी बेरवा (राज. सरकार) द्वारा सम्मानित किया।
रोहित का साई (Sports Authority of India) बॉक्सिंग के लिए चयन
Since 1991
DEFENCE PUBLIC SCHOOL
Opp. BSNL Office, RIICO, JHUNJHUNU 9549928222
pisjjn@gmail.com
princeinternationalschool
www.princeinternationalschool.org

उन्हें शायद 20 रन बहुत ज्यादा मिल गए। कई टीमों ने इस टूर्नामेंट में पहले गेंदबाजी की है। टॉस के समय हार या जीत नहीं सोचें।
- मिचेल मार्श

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, अफगानिस्तान के खिलाफ मिली हार के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — रोहित शर्मा

भारतीय टीम क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा खिलाड़ियों ने मैदान पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी में बेहतरीन खेल दिखाया जैसे कि उनसे उम्मीद थी। बंगलादेश के खिलाफ जीत के बाद रोहित ने कहा, मैं काफी लंबे समय से इस पर अपनी राय रखते आया हूं। हमने आज परिस्थितियों को बहुत बेहतर ढंग से परखा। गेंद और बल्ले दोनों के साथ ही हमारी रणनीति सफल हुई। कुल मिलाकर यह बहुत बढ़िया टीम प्रयास था। हमें मैदान में उतर कर उसी तरह का खेल खेलना है, जो हमसे उम्मीद की जाती है। उन्होंने कहा, हर बल्लेबाज को अपनी भूमिका होती है।

क्या आप जानते हैं ?... अपनी टैस्ट जीवन की पहली श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने 1970-71 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 774 रन बनाए।

पहलवान बजरंग पूनिया फिर हुए सस्पेंड

नई दिल्ली, 23 जून। राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने रविवार को बजरंग पूनिया को दूसरी बार निलंबित कर दिया। इससे तीन सप्ताह पहले एडीडीपी ने इस आधार पर उनका निलंबन रद्द किया था कि नाडा ने पहलवान को आरोपों के

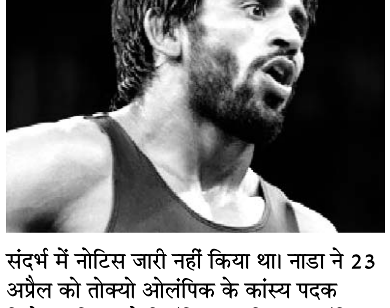

संदर्भ में नोटिस जारी नहीं किया था। नाडा ने 23 अप्रैल को तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पूनिया को निलंबित कर दिया था चूंकि उन्होंने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिये मूत्र के नमूने नहीं दिये थे। खेल की विश्व नियामक ईकाई यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित किया था। बजरंग ने इस अस्थायी निलंबन के खिलाफ अपील दायर की थी और नाडा के डोपिंग निरोधक अनुशासन पेनल ने नाडा के आरोपों के संदर्भ में नोटिस जारी करने तक इसे रद्द कर दिया था। नाडा ने रविवार को पूनिया को नोटिस जारी किया। नाडा ने पूनिया को भेजे नोटिस में कहा ,'' यह आपके लिये औपचारिक नोटिस है कि आपको राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक नियमों की धारा 2 . 3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और अब आप अस्थायी रूप से निलंबित हैं।'' पूनिया को आरोप स्वीकार करने या सुनवाई का अनुरोध करने के लिये 11 जुलाई तक का समय दिया गया है। पूनिया का कहना है कि उन्होंने कभी भी नमूना देने से इनकार नहीं किया लेकिन वह अपनी ईमेल पर नाडा का जवाब चाहते हैं जिसमें उन्होंने यह जानने की मांग की थी कि उन्हें दिसंबर 2023 में नमूना लेने के लिए 'एक्सपायर्ड' किट क्यों भेजी गयी थीं। बजरंग के वकील विधुष्पत सिंघानिया ने 'पीटीआई' को बताया कि वे निलंबन को चुनौती देंगे। सिंघानिया ने कहा, ''हां, हमें जवाब दाखिल करना होगा।

इट वॉज गावस्कर, द रियल मास्टर... वेस्टइंडीज में पुरानी यादों में खोए सुनील गावस्कर

नई दिल्ली, 23 जून। भारतीय क्रिकेट टीम टी20 वर्ल्ड कप के लिए इन दिनों वेस्ट इंडीज की धरती पर है। वेस्ट इंडीज से भारतीय खिलाड़ियों का नाता काफी पुराना है। एक वक्त था जब कैरेबियाई दर्शकों ने सुनील गावस्कर के लिए गाना तक बनाया था। टी20 वर्ल्ड कप के लिए कमेंट्री करने पहुंचे गावस्कर ने इससे जुड़ी यादों को ताजा किया है। गौरतलब है कि टीम इंडिया इन दिनों टी20 वर्ल्ड कप के मिशन में जुटी हुई है। न्यूयॉर्क में परचम फहराने के बाद अब भारतीय टीम कैरेबियन धरती पर जलवा बिखेर रही है।

इंग्लैंड टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में

9.4 ओवर में चेज किया 116 रन का टारगेट, क्रिस जॉर्डन ने हैट्रिक ली

नई दिल्ली, 23 जून। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपने आखिरी सुपर-8 मुकाबले में अमेरिका को 10 विकेट से हराया। इंग्लिश टीम ने 116 रन का टारगेट 9.4 ओवर में ही चेज कर लिया। इस जीत के साथ डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई हो गई। इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी है। ऐसे में ग्रुप-2 आखिरी मैच नॉकआउट हो गया है। इसे जीतने वाली टीम टॉप-4 में पहुंच जाएगी। ब्रिजटाउन में इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीतकर फील्डिंग का फैसला किया। इंग्लिश गेंदबाजों ने कप्तान बटलर के फैसले को सही साबित करते हुए अमेरिकी टीम को 18.5 ओवर में 115 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर कप्तान जोस बटलर और फिल सॉल्ट की ओपनिंग जोडी ने 116 रन का टारगेट महज 9.4 ओवर में ही चेज कर लिया।

इंग्लैंड की ओर से क्रिस जॉर्डन ने हैट्रिक ली। उन्होंने 19वें ओवर में कोरी एंडरसन, अली खान, नोशतुश केंजीगे और सौरभ नेत्रवल्कर के विकेट लिए। वे इस वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले पैट कमिंस दो बार यह कारनामा कर चुके हैं। रन चेज में कप्तान जोस बटलर ने 38 बॉल पर 6 चौके और 7 छक्कों के सहारे नाबाद 83 रन बनाए, जबकि फिल सॉल्ट ने 21 बॉल पर दो चौकों की मदद से नाबाद 25 रन बनाए। दोनों के बीच 59 बॉल पर नाबाद 117 रन की ओपनिंग साझेदारी हुई। अमेरिका की ओर से नीतीश कुमार ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। कोरी एंडरसन ने 29 रन की पारी खेली। जॉर्डन के अलावा, आदिल रशीद और सैम करन ने 2-2 विकेट झटके, जबकि रीस टॉप्ली और लियाम लिविंगस्टोन को एक-एक विकेट मिला।

दिल्ली प्रीमियर लीग को मिली मंजूरी

बीबीसी ने डीडीसीए के प्रस्ताव को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली, 23 जून। दिल्ली में क्रिकेट के दीवाने खुश हैं, दरअसल, बीसीसीआई ने दिल्ली एंव जिला क्रिकेट संघ को दिल्ली प्रीमियर लीग की मेजबानी का प्रस्ताव मान लिया है। ये राजधानी के क्रिकेट परिदृश्य के लिए एक अहम विकास है, जो स्थानीय प्रतिभाओं और रोमांचक मैचों के लिए एक नया मंच प्रदान करता है। वहीं मंजूरी की खबर डीडीसीए के संयुक्त सचिव राजव मनचंदा ने दी, जिन्होंने पुष्टि की है कि बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह ये निर्णय लिया था। उन्होंने न्यूज 18 से कहा कि हम बीसीसीआई के आभारी हैं उन्होंने हमें डीपीएल आयोजित करने की मंजूरी दी है। उन्होंने एसोसिएशन की खुशी जाहिर की।

हालांकि, आधिकारिक शुरुआत की तारीख और कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, लेकिन डीडीसीए तेजी से बदलाव का लक्ष्य बना रहा है। मनचंदा ने खुलासा किया कि, एक सप्ताह के भीतर, हम डीपीएल को क्रियान्वित करने के लिए निविदाएं आमंत्रित करने जा रहे हैं। उनका लक्ष्य 15 सितंबर, 2024 से पहले टूर्नामेंट को पूरा करना है। आगामी डीपीएल को प्रमुख क्रिकेट आयोजनों की मेजबानी करने में दिल्ली के हालिया अनुभव का लाभ मिलेगा। अरुण जेटली स्टेडियम पिछले एक साल में एक चहल-पहल वाला स्थल रहा है, जिसने कई वनडे वर्ल्ड कप 2023 मैच आईपीएल मुकाबलों को सफलतापूर्वक आयोजन किया है और यहां तक कि 2024 में उद्घाटन महिला प्रीमियर लीग के लिए सह मेजबान के रूप में भी काम किया है। मनचंदा ने आगे कहा कि, हमें ये मंच देने के लिए हम बोर्ड के आभारी हैं।

अफगानिस्तान की जीत से बदल गए भारत के ग्रुप के समीकरण, रेस में अब भी चार टीमें

नई दिल्ली, 23 जून। अफगानिस्तान ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 21 रनों से हरा दिया। 23 जून को किंग्सटाउन के अर्नोस वेल ग्राउंड में खेले गए मैच में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 149 रन बनाने थे, लेकिन उसकी पूरी टीम 19.5 ओवर्स में 127 रनों पर ही सिमट गई। अफगानिस्तान की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के चलते सुपर-8 में ग्रुप-1 का समीकरण पूरी तरह बदल गया है। इस ग्रुप से चारों टीमें अब भी सेमीफाइनल की रेस में बनी हुई हैं। हालांकि, दो ही टीमों को इस ग्रुप से सेमी में जाने का मौका मिलेगा। अगर ऑस्ट्रेलिया अफगानिस्तान को हरा देता, तो भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ही सेमीफाइनल में पहुंच जाते। मगर ऐसा नहीं हो सका। अफगानिस्तान की जीत के चलते बांग्लादेश को भी थोड़ी संजीवनी मिली है। टीम इंडिया के लिए समीकरण काफी सरल है। अगर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को हराती है तो वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार से उस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बशर्ते ये बड़े अंतर से न हो। भारत का नेट रनरेट फिलहाल 2.425 है। अगर उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ी हार मिलती है और अफगानिस्तान बांग्लादेश से जीत जाता है तो ही उसके बाहर होने की संभावना बनेगी। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान नेट रनरेट के आधार पर भारत से आगे निकल सकते हैं।

मैं कहता हूं कि... मैच फिक्सिंग के दावों पर पाक के असिस्टेंट कोच ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, 23 जून। बाबर आजम की अगुवाई वाली पाकिस्तान टीम की टी20 वर्ल्ड कप 2024 में दुर्गति हो गई। बाबर ब्रिगेड का शुरुआती स्टेज से ही पत्ता कट गया। लीग चरण से बाहर होने के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों की कड़ी आलोचना हो रही है। हाल ही में पाकिस्तान के मशहूर पत्रकार मुबाशिर ने तो बाबर पर मैच फिक्सिंग का आरोप तक लगा दिया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अमेरिका जैसी टीम के खिलाफ यूं ही मैच नहीं गंवाया। वहीं, पाकिस्तान के असिस्टेंट कोच अजहर महमूद पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, अजहर ने आरोपों को लेकर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि बेबुनियाद इल्जाम लगाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

अजहर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैंने सोशल मीडिया और अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुछ झूठे आरोप और कहानियां सुनी हैं। मैं स्पष्ट रूप से कहता हूं कि ये आरोप पूरी तरह से निराधार और झूठे हैं और इन्हें सुनना बेहद परेशान करने वाला है। झूठे आरोप लगाना और लोगों को झूठी कहानी सुनाकर गुमराह करके की यह संस्कृति अब हास्यास्पद और खतरनाक होती जा रही है। बिना सबूत के बोलना और तथ्यों को गलत तरीके से पेश करना एक दण्डनीय अपराध है और इस तरह के व्यवहार में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।''

जोस बटलर ने 130 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, चुन सकते हैं कप्तान

नई दिल्ली, 23 जून। जोस बटलर ने टी-20 वर्ल्ड कप के खेले 6 मैचों में 131.70 की स्ट्राइक से 108 रन बनाए हैं। अब तक खेले 122 टी-20 मैचों में उन्होंने 144.99 की स्ट्राइक रेट से 3158 रन बनाए हैं। वहीं, एक शतक और 23 अर्धशतक जड़ चुके हैं। 2024 के 11 मैचों में उन्होंने 140.78 की स्ट्राइक रेट से 359 रन बनाए हैं। जिसमें 2 शतक भी शामिल हैं।

फिल साल्ट ने टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के टॉप स्कोरर हैं। अब तक खेले 6 मैचों में 177.52 की स्ट्राइक रेट से 158 रन बनाए हैं। वहीं अब तक खेले 29 टी-20 मैचों में 169.13 की स्ट्राइक रेट से 855 रन बनाए हैं। वह 2 शतक और 2 अर्धशतक जड़ चुके हैं। 2024 के 12 मैचों में उन्होंने 182.00 की स्ट्राइक रेट से 435 रन बनाए हैं। जिसमें 4 अर्ध शतक भी शामिल है।

एंड्रीस गौस अमेरिका के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 5 मैच में 150.71 की स्ट्राइक रेट से 211 रन बनाए हैं। अब तक खेले 11 मैचों में 151.21 की स्ट्राइक रेट से 372 रन बनाए हैं। जॉनी बेयरस्टो ने टी-20 वर्ल्ड कप के खेले 6 मैचों में 139.24 की स्ट्राइक रेट 110 रन बनाए हैं। अब तक खेले 78 टी-20 मैचों में 137.87 की स्ट्राइक रेट से 1671 रन बनाए हैं।

राजधानी

'डॉ. मुखर्जी के 'एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे' नारे को मोदी ने साकार किया'

भाजपा प्रदेश कार्यालय में जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर 'स्मरण अभियान' की शुरुआत की गई

भाजपा प्रदेश कार्यालय में जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने 'एक पेड़ माँ के नाम अभियान' की भी शुरुआत की।

जयपुर, (कास)। भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने ''स्मरण अभियान'' की शुरुआत की। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने ''एक पेड़ माँ के नाम अभियान'' की भी शुरुआत की। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजली अर्पित करते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी ने अपने जीवन को राष्ट्र के प्रति समर्पित कर दिया था। कश्मीर को लेकर डॉ. मुखर्जी ने नारा दिया था कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे। इस नारे को 70 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने 70 मिनट में पूरा करते हुए कश्मीर से धारा 370 और 35 ए हटाने का ऐतिहासिक काम किया। वहीं दूसरी ओर कुछ राष्ट्र विरोधी लोग और पार्टी कश्मीर के मामले को यूएन में ले जाने का काम कर रहे थे, धारा 370 के बिल को संसद में फाड़ने का काम कर रहे थे, ऐसी राष्ट्र विरोधी शक्तियों को कमजोर करने के लिए भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को एकजुट होकर डॉ मुखर्जी के पदचिन्हों पर कार्य करने की आवश्यकता है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि जनसंघ की स्थापना के बाद जब देश में संघ की तीन सीटें आई थी, उस दौर में 1 सीट राजस्थान से चित्तौड़गढ़ की भी थी। ऐसे में राजस्थान ने भी उस दौर में जनसंघ का दीया जलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जनसंघ के संस्थापक डॉ. मुखर्जी ने देश में पंडित नेहरू के परमिट व्यवस्था का भी विरोध किया था। इसी विरोध के स्वरूप उन्होंने राष्ट्र के लिए अपना बलिदान दे दिया, लेकिन उनके बलिदान को जनसंघ के बाद जनता पार्टी एवं फिर भारतीय जनता पार्टी ने समझा और आज कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भाजपा डॉ मुखर्जी के बलिदान दिवस से लेकर उनकी जयंती तक प्रदेश के सभी शक्ति केंद्रों पर ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत 370 पेड़ लगाएगी। इस अभियान का आगाज भाजपा प्रदेश कार्यालय से किया गया। भाजपा इस अभियान में प्रदेश के सभी सामाजिक और गैर सामाजिक संगठनों से भी वृक्षारोपण करने की अपील करती है।

भाजपा की प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि डॉ. मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धान्तवादी नेता थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी और शिक्षाविद् डॉ मुखर्जी के जीवन चरित्र को हमें अपने जीवन में उतारना चाहिए। डॉ मुखर्जी का देश के लिए त्याग, बलिदान आज भी याद किया जाता है। डॉ. मुखर्जी उस दौर में जो विचार लेकर चले थे, उनके विचारों को देश में समझने वाला कोई नहीं था। इसके बावजूद उन्होंने अपने विचारों को आगे बढाया। हमें डॉ मुखर्जी की विचारधारा को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उनकी विद्वता के बारे में चर्चा करनी चाहिए। डॉ मुखर्जी के सपने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा करने का काम किया। कश्मीर में जिन हाथों में पत्थर हुआ करते थे, मोदी ने उन हाथ को रोजगार देकर उस परिवार को आगे बढ़ाने की दिशा में काम किया है। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाडी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन परिचय पर विस्तृत चर्चा करते हुए कई संस्मरण सुनाए। सांसद तिवाडी ने कहा कि प. बंगाल और कश्मीर आज भारत का अंग है तो उसमें डॉ मुखर्जी का बहुत बड़ा योगदान है। आज भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को डॉ मुखर्जी के पत्रों को जरूर पढ़ना चाहिए। जनसंघ से लेकर भाजपा की यात्रा में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयान उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महापुरूषों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। आज भी भाजपा इनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, विधायक कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा, नगर निगम उप महापौर पुनीत कर्णावत, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक सहित भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।वहीं वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री अजीत मांडण, भूपेंद्र सैनी, ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष चंपालाल गेदर, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, भाजपा मीडिया कार्यालय प्रभारी चंपालाल रामावत, प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा, पैनेलिस्ट सुरेश गर्ग, विकास बारेठ, विक्रम सैनी, प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत, युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची, भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी माताजी के साथ किया वृक्षारोपण

जयपुर, (कास)। राज्य में रविवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ हुआ।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री आवास पर अपनी माताजी गोमती देवी के साथ बेल का पौधा लगाया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि, पेड़ हमारे परम मित्र हैं और हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक है। वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के साथ ही पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों से आ ान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में वृक्षारोपण करें तथा पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा रखने में अपना योगदान दें।

पचास लाख का डोडा-पोस्त पकड़ा

जयपुर। राजधानी की चित्रकूट और करणी विहार थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया है। शनिवार देर रात को पुलिस ने करीब 50 लाख रुपए कीमत का 1200 किलो डोडा पोस्त से भरा एक कंटेनर जब्त किया है। पुलिस ने डोडा पोस्त की तस्करी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया है। आरोपी बिंदर सिंह को गिरफ्तार करके पूछताछ की जा रही है। वहीं दूसरा आरोपी गुरमीत सिंह मौके से फरार हो गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। आरोपी चित्तौड़गढ़ से तस्करी करके अवैध डोडा पोस्त हरियाणा लेकर जा रहे थे। एसीपी वैशाली नगर आलोक कुमार गौतम के मुताबिक अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ पुलिस की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शनिवार देर रात को जयपुर के करणी विहार इलाके में अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त से भरा कंटेनर पकड़ा।

जयपुर में मादक पदार्थों के खिलाफ जागरूकता के लिए मोटरसाइकिल रैली निकाली

जयपुर। राजधानी जयपुर में रविवार को मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता के लिए मोटरसाइकिल रैली निकालकर लोगों को जागृत किया गया।मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ 12 से 26 जून तक नशा मुक्त भारत पखवाड़ा चलाया जा रहा है। इसके तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी की अध्यक्षता में मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ थे।

जोसफ और सोनी ने विद्याधर नगर केंद्रीय सदन से मोटरसाइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली विद्याधर नगर से शुरू होकर खासा कोठी सर्किल, एम आई रोड, अजमेरी गेट होते हुए जे एल एन मार्ग से पत्रिका गेट जवाहर सर्किल पहुंची।

प्रदेश की भजनलाल सरकार बजट तैयार करने की कवायद में जुट गई है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को धौलपुर जिले के बाड़ी स्थित ग्राम बिजोली में राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेश महासमिति अधिवेशन को सम्बोधित किया।

उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए राज्य बजट में शामिल किए जाएंगे शिक्षकों के सुझाव: भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने धौलपुर जिले के बाड़ी स्थित ग्राम बिजोली में राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेश महासमिति अधिवेशन को सम्बोधित किया

धौलपुर/जयपुर, 23 जून (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को धौलपुर जिले के बाड़ी स्थित ग्राम बिजोली में राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेश महासमिति अधिवेशन को सम्बोधित किया।

■ **मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि, राजस्थान सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने तथा शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया जा रहा है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, शिक्षित और सक्षम नागरिक ही राष्ट्र की प्रगति का आधार होते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना और संस्कारों का समावेश कर उन्हें कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं और राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि, शिक्षक अपने शिष्य का मित्र, मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत होता है। विद्यार्थी स्कूल में जो कुछ सीखते हैं वह उनके जीवन को दिशा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, प्राचीन काल से ही हमारे समाज में शिक्षक का महत्व सर्वोपरि रहा है। हमारी संस्कृति में गुरु-शिष्य परम्परा का विषय स्थान हैं। कबीर दासजी ने तो गुरु गोविन्द दोउ खड़े... दोहे के माध्यम से गुरु की महत्ता ईश्वर से भी अधिक बताई है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि, राजस्थान सरकार भी शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में सरकारी स्कूलों के बनुयादी ढांचे को मजबूत करने, स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने तथा शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक की मदद से उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल पाएगी। उन्होंने कहा कि, सरकार ने सभी वंचित वर्गों को शिक्षा मुहैया करवाने के लिए अंतरिम बजट में अल्प आय वर्ग, लघु/सीमांत/ बंटाईदार किसानों और खेतीहर श्रमिकों के बच्चों को के.जी. से पी.जी. तक की निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का प्रावधान किया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि, राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के लिए अपने आगामी बजट में शिक्षकों से उनके सुझाव आमंत्रित किए हैं। सर्वश्रेष्ठ सुझावों को सरकार बजट में शामिल करेगी। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत में शिक्षा के क्षेत्र में बड़े सुधार हो रहे हैं। विद्यार्थियों में रचनात्मकता और समस्या समाधान का कौशल विकसित करने के लिए केन्द्र सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लाई है। यह शिक्षा नीति शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करेगी और शिक्षा प्रणाली को रोजगारोन्मुखी बनाने तथा विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने में मदद करेगी। इस नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत एक ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में उभरेगा। शर्मा ने कहा कि, वर्ष 2014 के बाद देश में उच्च शिक्षा संस्थानों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। आज देश में 21 आई.आई.एम., 23 आई.आई.टी., 22 एम्स हैं। पिछले 10 वर्षों में मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी लगभग दोगुनी हो गई है। हमारे प्रमुख संस्थानों के कैम्पस विदेशों में भी खुल रहे हैं। अबूधाबी में आई.आई.टी. दिल्ली तथा तंजानिया में आई.आई.टी. मद्रास का कैम्पस शुरू हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, शिक्षक संघ का भी दायित्व है कि, वे शिक्षकों के हितों के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि, वर्तमान समय में तकनीकी विकास के साथ ही शिक्षण विधियों में बदलाव लाने की आवश्यकता है। शर्मा ने कहा कि, शिक्षकों की नागरिक होने के साथ ही शिक्षक के रूप में समाज के प्रति दोहरी जिम्मेदारी है। वे अपने आस-पास के प्रत्येक वंचित और जरूरतमंद को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

शर्मा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें याद करते हुए कहा कि, उनका जीवन राष्ट्र के लिए पूरी तरह समर्पित था। डॉ. मुखर्जी ने कश्मीर मुद्दे पर राष्ट्रवाद को सर्वोपरि रखते हुए तत्कालीन कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए कश्मीर से धारा 370 हटाई।

कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम ने कहा कि, शिक्षक राष्ट्र को मजबूत करने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि, आधुनिक शिक्षा पद्धित में राष्ट्रीयता का समावेश आवश्यक है, जिससे विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित हो।

कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेन्द्र कपूर सहित अन्य पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में शिक्षक तथा आमजन उपस्थित रहे।

'अंत्योदय की संकल्पना को साकार करने में एन.जी.ओ. एवं सिविल सोसायटी की अहम भूमिका'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एन.जी.ओ., सिविल सोसायटी एवं उपभोक्ता फोरम प्रतिनिधियों से बजट पूर्व संवाद किया

जयपुर, 23 जून (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में एन.जी.ओ., सिविल सोसायटी एवं उपभोक्ता फोरम प्रतिनिधियों से बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया।

■ **संवाद में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायती राजअभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्तअखिल अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में एन.जी.ओ. एवं सिविल सोसायटी की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि, एन.जी.ओ. तथा सिविल सोसायटी के सदस्य जमीनी स्तर पर काम कर अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि, सामाजिक संगठनों को नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा, शिक्षा, पोषण, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू कल्याण तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में काम करने का अनुभव होता है। इस बजट पूर्व चर्चा में प्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों का परीक्षण कर उन्हें आगामी परिवर्तित बजट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, राज्य सरकार का प्रयास है कि समाज के सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए बजट को समावेशी एवं जनोन्मुखी रूप प्रदान किया जाए। इसके लिए स्वयंसेवी संगठनों तथा सिविल सोसायटी की भागीदारी भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि, "सबका साथ-सबका विकास" की मूल भावना के साथ सभी हितधारकों से आगामी परिवर्तित बजट के लिए उपयोगी फीडबैक लिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि, राज्य सरकार द्वारा समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान, महिलाओं को समान अवसर, गरीब कल्याण, किसानों का सामाजिक-आर्थिक विकास, युवा कल्याण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि, प्रदेश का युवा नशे की प्रवृत्ति से दूर रहे, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा निरंतर जन-जागरूकता से लेकर नशा माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का कार्य किया जा रहा है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, विस्तार तथा सहज उपलब्धता के लिए नीति निर्माण कर रही है। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण अभियान के तहत पौधे लगाने का कार्य मिशन मोड पर किया जा रहा है।

बैठक में एन.जी.ओ., सिविल सोसायटी तथा उपभोक्ता फोरम के प्रतिनिधियों ने सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जल एवं पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास, अवसंरचना विकास, आदिवासी कल्याण, घुमंतू कल्याण, स्वरोजगार, गौसेवा, कचरा प्रबंधन, उपभोक्ता हितों के संरक्षण आदि संबंधित विषयों पर सुझाव साझा किए।

बजट पूर्व संवाद में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायती राजअभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्तअखिल अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय)शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ग्रेस मार्क्स पाने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहित प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। इस मामले को लेकर जारी विवाद के बीच एनटीए की ओर से यह सफाई दी गई है। एक सीनियर अधिकारी ने कहा, 'एनटीए की वेबसाइट और इसके सभी वेब पोर्टल पूरी तरह सुरक्षित हैं। इनके हैक होने की जानकारी गलत और भ्रामक है।' ऐसे में छात्रों को इसे लेकर घबराने की जरूरत नहीं है।

बता दें कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं के बाद एनटीए की नौकरशाही में फेरबदल को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। कांग्रेस ने इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर रविवार को निशाना साधा। ऐसा कहा गया कि इसकी जिम्मेदारी दूसरों पर डालने के बजाय सरकार के शीर्ष नेतृत्व को खुद लेनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि एनटीए को स्वायत्त निकाय बताया गया, लेकिन असल में इसे भारतीय जनता पार्टी/राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुटिल हितों को पूरा करने के लिए बनाया गया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'नीट घोटाले की जिम्मेदारी मोदी सरकार के शीर्ष नेतृत्व को लेनी चाहिए। नौकरशाही में फेरबदल करना भाजपा की ओर से बर्बाद की गई शिक्षा प्रणाली की समस्या का समाधान नहीं है।'

कन्नौज: एक्सप्रेसवे से फिसलकर बस नीचे गिरी, 14 की हालत गंभीर

ड्राइवर को झपकी आने से यह हादसा हुआ, बस में 45 लोग सवार थे

कन्नौज 23 जून (वार्ता) उत्तर प्रदेश के कन्नौज में रविवार सुबह सवारियों से भरी डबल डेकर लग्जरी बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से नीचे गिर गई। दुर्घटना में 25 यात्री घायल हुए जिनमें से 14 की हालत गंभीर बनी हुई है।

■ **ड्राइवर को झपकी आने से बस अनियंत्रित हो गई और एलिवेटेड पुलिया की रेलिंग से नीचे गिर गई।**

जौनपुर से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर कन्नौज के सौरिख थाना क्षेत्र के किलोमीटर संख्या 159 के पास अनियंत्रित होकर नीचे जा गिरी। घटना सुबह 4 बजे की है। हादसे की सूचना मिलने पर छिबरामऊ सीओ ओमकार नाथ शर्मा पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। गम्भीर रूप से घायल 14 लोगों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जबकि मामूली घायल 11 लोगों को सीएचसी सौरिख में भर्ती कराया है। हादसे के समय बस में कुल 45 लोग सवार थे। मौक़े पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों के अनुसार चालक को झपकी आने से हादसा हुआ है।

दुर्घटना में घायल हुए लोगों में शामिल हैं: जंग बहादुर पुत्र कंचन राम यादव (52) निवासी ग्राम मुलनापुर थाना बदलापुर जिला जौनपुर, लकी बिंद पुत्र यशवंत बिंद (18) निवासी ग्राम रसड़ा थाना बरदह जिला आजमगढ़, इशिका पुत्री पंकज कुमार (08) निवासी शिशवा रामपुर थाना बेताना जिला अंबेडकरनगर, सत्यम पत्नी पंकज कुमार (33) वर्ष निवासी शिशवा रामपुर थाना बेताना जिला अंबेडकरनगर, आराधना पुत्री कृपा शंकर (26) निवासी पार्वती कॉलोनी फरीदाबाद हरियाणा, फरहान पुत्र कल्बे आबिद उमर (25) निवासी कायामुद्दीनपुर शेखपुरा थाना अकबरपुर अम्बेडकर नगर, काजल तिवारी पुत्री राहुल तिवारी (26) निवासी तिवारीपुर थाना रामपुर जिला जौनपुर, राहुल तिवारी पुत्र विजय तिवारी (29) निवासी तिवारीपुर थाना रामपुर जिला जौनपुर, राघव तिवारी पुत्र राघवेंद्र तिवारी (9 माह) निवासी तिवारीपुर थाना रामपुर जिला जौनपुर, इला द्विवेदी पुत्री राघवेंद्र प्रसाद (24) निवासी ऊंचगांव थाना धमोर जिला सुल्तानपुर, विकास मौर्य पुत्र रमेश चंद्र मौर्य (24) निवासी रामदासपुर निवादा थाना लाइन बाजार जिला जौनपुर, पूर्णिमा मौर्य पत्नी सुनील कुमार मौर्य (26) निवासी बरसठी थाना बरसठी जिला जौनपुर, शिवम पुत्र राधेगोपाल (24) निवासी पार्वती कॉलोनी फरीदाबाद हरियाणा शामिल हैं।

सूरसागर में उपद्रव के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यक्ति ने बनाया। दावा है कि, पुलिस वालों की मौजूदगी में लोग पथराव करते रहे। दरअसल, सूरसागर थाना इलाके के राजाराम सर्कल स्थित ईदगाह के मुख्य गेट के पास कुछ दुकानें हैं। गुरुवार को गेट निकालने का काम शुरू किया गया था। बस्ती में रहने वाले कुछ लोग गेट निकालने का विरोध जता रहे थे। दो दिन में दो बार दोनों पक्षों के बीच विवाद हो चुका था। पुलिस ने मामला शांत करवा दिया था। रविवार तक इलाके में धारा 144 लागू है। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई। अधिकारी इलाके में विजिट कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात को हुए उपद्रव में लोग छतों से पथराव कर रहे थे। इसमें 16 पुलिसकर्मी फंस गए। दो बार पुलिस के जवान पीछे हटे, आंसू गैस के गोलों का भी कोई असर नहीं हुआ। आधे घंटे बाद अतिरिक्त जाब्ता आया तो पुलिसकर्मियों की जान बची। पथराव में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना के थानाधिकारी नितिन दवे और शास्त्रीनगर थाना के सब इंस्पेक्टर शैतान सिंह भी घायल हुए। पथराव-आगजनी के बाद लोग सहमे हुए हैं। शनिवार को डर के मारे लोग घरों से बाहर नहीं निकले। सूरसागर क्षेत्र में सन्नाटा पसरा रहा और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है। हालांकि, पुलिस का एक्शन भी सवालों का घेरे में हैं।

उपद्रव के बाद शनिवार को भी दिन भर भारी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात रहा। जानकारी के अनुसार ईदगाह का विवाद 15 साल पुराना है।

जमानत रद्द ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की जमानत याचिका का विरोध करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट में अपनी एक याचिका लगा दी थी। ईडी की तरफ से कहा गया था कि ट्रायल कोर्ट के आदेश की कॉपी उन्हें नहीं मिली है और ईडी को जमानत याचिका का विरोध करने का पूरा मौका नहीं मिल सका। हाई कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में केजरीवाल को जमानत देने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। जमानत का विरोध कर रही ईडी की याचिका पर सुनवाई करने के बाद ही निचली अदालत का आदेश प्रभावी होगा। ईडी की तऱफ से दलील पेश करते हुए ए.एस.जी. एस.वी राजू ने कहा था कि, तथ्यों के आधआर पर मेरा मामला काफी मजबूत है और मुझे निचली अदालत द्वारा लिखित दलीलें दाखिल करने के लिए 2-3 तीन का समय नहीं दिया गया।

'पूर्वोत्तर में 50 बड़े तालाब बनाने होंगे, ताकि, असम जैसे राज्यों में बाढ़ से बचा जा सके'

नई दिल्ली, 23 जून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मॉनसून के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ आने की स्थिति में उससे निपटने की तैयारियों की रविवार को समीक्षा की। इस दौरान शाह ने कहा कि जो नदियां बारहमासी नहीं हैं, उनमें मिट्टी का कटाव अधिक होता है और गाद जमना बाढ़ का कारण बन जाता है। उन्होंने निर्देश दिया कि नदियों के जलस्तर के पूर्वानुमान को अपग्रेड कर बाढ़ की समस्या को कम करने के प्रयास हों। बाढ़ की स्थिति में जलजमाव से निपटने के लिए सड़क निर्माण के डिजाइन में ही प्राकृतिक जलनिकासी को शामिल किया जाना चाहिए। शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर में कम से कम 50 बड़े तालाब बनाकर ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को मोड़ने की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे बाढ़ से निजात मिले और कृषि, सिंचाई व पर्यटन विकसित हों। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी फायदा मिलेगा।

■ **गृह मंत्री अमित शाह ने देश के विभिन्न हिस्सों में आने वाली बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की और कहा कि, ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को मोड़ना नितांत जरूरी हो गया है।**

अमित शाह ने पिछले साल लिए गए निर्णयों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा की। इसके साथ ही सभी एजेंसियों की ओर से अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों और उनके नेटवर्क के विस्तार पर भी चर्चा हुई। उन्होंने बादल फटने से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही बाढ़ नियंत्रण के लिए इसरो की ओर से उपलब्ध कराए गए चित्रों के विभिन्न एजेंसियों के अधिकतम इस्तेमाल पर भी बल दिया गया। गृह मंत्री ने कहा कि भारत का आपदा प्रबंधन जीरो कैजुअल्टी अप्रोच के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को बाढ़ प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी परामर्श को समय पर लागू करने की अपील की। गृह मंत्री ने मौसम विभाग और केंद्रीय जल आयोग को निर्देश दिया कि वर्षा और बाढ़ चेतावनी में उपयोग होने वाले उपकरणों की जांच होनी चाहिए। शाह ने सिक्किम और मणिपुर में हाल ही में आई बाढ़ का विस्तृत अध्यन कर गृह मंत्रालय को रिपोर्ट देने के निर्देश दिए।

तीस्ता प्रोजैक्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फैसला किया है। वार्ता में मोदी और हसीना ने रक्षा उत्पादन और बांग्लादेशी सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने का संकल्प लिया तथा आतंकवाद एवं कट्टरपंथ का मुकाबला करने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

कोच्चि एयरपोट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की गोलियां निकाली गईं। डीआरआई के अधिकारी ने कहा, दोनों के पेट से करीब 100 कैप्सूल बरामद किए और जांच में सभी में कोकीन पाया गया। कुल 1,945 ग्राम कोकीन जब्त की गई, जिसकी कीमत 19 करोड़ रु. बताई जा रही है।

गाजियाबाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और 16 वर्षीय हिमानी थीं। इस मकान में निर्माण का काम भी चल रहा था।

रविवार सुबह बागमती खाना बना रही थीं। नाथूराम के दामाद सोनू गेट को काट रहे थे और उनके ठीक पीछे एलपीजी सिलेंडर रखा हुआ था। सिलेंडर में लीकेज के कारण गेट काटने से चिंगारी निकली और उस ने आग पकड़ ली। इसके बाद आग पूरे कमरे में फैल गई कमरे में मौजूद सभी लोगव इसकी चपेट में आगए। घर से आग की लपटें उठती देख आसपास पड़ोस के लोग वहां पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश करने लगे। लेकिन इससे पहले कि कमरे की आग बुझती बागमती, प्रियंका, हिमानी, मुकेश, सोनू और अंकित गंभीर रूप से झुलस चुके थे। आग बुझाने के दौरान नाथूराम को भी चोट लगी। सभी को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इसरो ने पुष्पक विमान की तीसरी सफल लैंडिंग कराई

इसरो की यह सफलता इसलिए खास है क्योंकि, इस उपलब्धि ने इसरो रियूजेबल लॉंचिंग व्हीकल बनाने की महारत को और पुख्ता कर दिया है, इसरो अब स्पेस प्रोग्राम में काम आने वाले सभी लॉन्चिंग व्हीकल को रियूज कर सकेगा

नई दिल्ली, 23 जून। इसरो ने एक बार फिर कमाल कर दिया है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने आरएलवी पुष्पक की सफल लैंडिंग कर दी है। इसरो ने रविवार 23 जून को रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल की लगातार तीसरी बार लैंडिंग एक्सपेरिमेंट में सफलता हासिल की। इससे पहले 22 मार्च को इसरो ने इसकी दूसरी सफल लैंडिग की थी। रविवार को लैंडिंग के बाद इसरो ने कहा कि लैंडिंग के लिए काफी मुश्किल परिस्थितियां पैदा की गई थी लेकिन, चुनौतीपूर्ण परिस्थियों में तेज हवाओं के बीच ऑटोमैटिक लैंडिंग कराई गई।

जानकारी के अनुसार, इसरो की तरफ से आरएलवी पुष्पक विमान का परीक्षण सुबह 7.10 बजे बेंगलुरु से लगभग 220 किमी दूर चित्रदुर्ग जिले के चल्लाकेरे में एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज (एटीआर) में किया गया था। विमान को भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलिकॉप्टर से 4.5 किमी की ऊंचाई तक ले जाया गया और रनवे पर लैंडिंग के लिए छोड़ा गया।

■ **रविवार को लैंडिंग के बाद इसरो ने कहा कि लैंडिंग के लिए काफी मुश्किल परिस्थितियां पैदा की गई थी लेकिन, चुनौतीपूर्ण परिस्थियों में तेज हवाओं के बीच ऑटोमैटिक लैंडिंग कराई गई।**

■ **वायूसेना के चिनूक हैलिकॉप्टर से 4.5 किलोमीटर ऊपर से पुष्पक विमान को नीचे छोड़ दिया गया और विमान स्वतः ही हवा में झूलते हुये जमीन पर लैण्ड हो गया।**

इसरो की आरएलवी परियोजना एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। यह अंतरिक्ष में मानव की निरंतर उपस्थिति की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगा। भारत की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए यह मिशन बेहद जरूरी है। आरएलवी एलईएक्स 03 का उद्देश्य वाहन के प्रदर्शन, मार्गदर्शन और लैंडिंग क्षमताओं में सुधार करना है। आरएलवी को विकसित करने वाले विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (वीएसएससी) के निदेशक एस उन्नीकृष्णन नायर ने कहा कि दूसरी लैंडिंग की तुलना में, आरएलवी-एलईएक्स3 अधिक चुनौतीपूर्ण रहा क्योंकि एलईएक्स-02 के दौरान लगभग 150 मीटर की तुलना में इस बार इसका परीक्षण 500 मीटर के साथ किया गया।

लैंडिंग के बाद इसरो ने कहा, आरएलवी-एलईएक्स-03 की अधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थियों में तेज हवाओं के साथ ऑटोमैटिक लैंडिंग कराई गई। आरएलवी पुष्पक वाहन को भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.5 किमी की ऊंचाई पर छोड़ा गया था। इसरो ने कहा, "कम लिफ्ट-टू-ड्रैग अनुपात के कारण लैंडिंग की रफ्तार 320 किमी प्रति घंटे से अधिक थी। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक कमर्शियल विमान की लैंडिंग रफ्तार 260 किमी प्रति घंटे रहती है। जबकि एक लड़ाकू विमान की लैंडिंग रफ्तार 280 किमी प्रति घंटे रहती है।"

'राहुल गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुसूचित जाति से हैं। वह इस घटना की निंदा करती हैं। मालूम हो कि कल्लाकुरिचि जिले में अवैध देशी शराब पीने से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 53 हो गई।

निर्मला सीतारमण ने कहा, मैं हैरान हूं कि कांग्रेस ने इसके खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला। ऐसे राज्य में जहां सरकार की ओर से संचालित तस्माक दुकानों से लाइसेंसी शराब मिलती है, उसके बावजूद कलाकुरची शहर के बीच में केमिकल आधारित अवैध शराब परोसी जाती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहां हैं, राहुल गांधी कहां हैं। वह दक्षिण से सिर्फ इसलिए चुनाव लड़ते हैं क्योंकि उन्हें भरोसा है कि वह जीतेंगे। तमिलनाडु में द्रमुक के साथ मिलकर चुनाव लड़ते हैं और जब जहरीली शराब से दलित मर रहे हैं तो एक बयान नहीं आता।

'राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600